करेंट अफेयर्स
बिहार
(संग्रह)

सितंबर
2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

बिहार 4

- मुख्यमंत्री महिला रोज़गार योजना 4
- भूटान के प्रधानमंत्री का बोधगया का दौरा..5
- भारत ने पुरुष हॉकी एशिया कप 2025 जीता...5
- गुरु-शिष्य परंपरा योजना 7
- मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया...8
- पूर्णिया में सेक्स सॉर्टेड सिमेन सेंटर..9
- बिहार में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का शुभारंभ 10
- बिहार में पीएम विश्वकर्मा पर मेगा कॉन्क्लेव 12
- बेरोज़गार स्नातकों के लिये स्वयं सहायता भत्ता योजना..14
- रामधारी सिंह दिनकर की जयंती..15
- प्रधानमंत्री स्मृति-चिह्नों में बिहार की लोककला का प्रदर्शन..16
- पीरपैंती थर्मल पावर प्लांट 18
- बिहार में दो आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल के रूप में किया घोषित..19

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स.. 21

- उर्जित पटेल IMF में कार्यकारी निदेशक नियुक्त 21
- डायमंड लीग 2025...22
- रेमन मैग्सेसे पुरस्कार 2025 22
- युद्ध अभ्यास 2025..24
- आदि वाणी 24
- NCERT का 65वाँ स्थापना दिवस...25
- इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का 8वाँ स्थापना दिवस 26
- भारती पहल...27

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

- वैश्विक शांति सूचकांक (GPI) 28
- आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय 29
- यूएस ओपन 2025 31
- अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2025 32
- ब्लड मून 33
- विश्व ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस 35
- ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 35
- IIM अहमदाबाद ने पहला विदेशी कैंपस खोला 36
- विनोबा भावे जयंती 37
- ग्रीन हाइड्रोजन अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन 39
- विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप 2025 41
- महिला हॉकी एशिया कप 2025 42
- राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन– रबी अभियान 2025 43
- 31वाँ विश्व ओज़ोन दिवस 44
- वैशाली रमेशबाबू ने FIDE महिला ग्रैंड स्विस जीता 45
- स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण पदक 47
- विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 48
- सरदार वल्लभभाई पटेल का AI संचालित होलोबॉक्स 48
- भारत-AI इंपैक्ट समिट 2026 50
- मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार 51
- अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस 2025 52
- विश्व खाद्य भारत 2025 53
- विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025 54
- छठा नदी उत्सव 55
- भगत सिंह की जयंती 56
- भारत ने एशिया कप जीता 58
- शिरीष चंद्र मुर्मू नियुक्त हुए RBI के डिप्टी गवर्नर 59

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

बिहार

मुख्यमंत्री महिला रोज़गार योजना

चर्चा में क्यों ?

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने **मुख्यमंत्री महिला रोज़गार योजना** का शुभारंभ किया, जिसके तहत महिलाओं को व्यवसाय शुरू करने के लिये 10,000 रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी, बशर्ते वे जीविका स्वयं सहायता समूहों में शामिल हों।

- इसे प्रधानमंत्री द्वारा **बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ** के शुभारंभ से पूरक बनाया गया, जिसका उद्देश्य जीविका सदस्यों को किफायती ऋण उपलब्ध कराना है।

मुख्य बिंदु

योजना के बारे में:

- **उद्देश्य:** बिहार में प्रत्येक परिवार की एक महिला को **स्व-रोज़गार उद्यम** शुरू करने के लिये 10,000 रुपये की प्रारंभिक वित्तीय सहायता प्रदान करना।
- **कार्यान्वयन:** योजना के अंतर्गत रोज़गार प्रारंभ करने की इच्छुक महिलाओं को **जीविका स्वयं सहायता समूह** से जुड़ना अनिवार्य होगा, जिसके माध्यम से आवश्यक धन उपलब्ध कराया जाएगा।
  - योजना के लिये आवेदन-पत्र का प्रारूप तैयार हो चुका है और महिलाओं को **सितंबर** से धनराशि मिलनी शुरू हो जाएगी।
- **नोडल एजेंसी:** ग्रामीण विकास विभाग इस योजना के लिये **नोडल एजेंसी** के रूप में कार्य करेगा, जबकि **शहरी विकास एवं आवास विभाग** इसके कार्यान्वयन के लिये आवश्यक सहायता प्रदान करेगा।
- **भविष्य की संभावनाएँ:** छह महीने बाद योजना के प्रभाव का मूल्यांकन किया जाएगा। इस पहल की सफलता के आधार पर लाभार्थियों को **2 लाख रुपये** तक की अतिरिक्त सहायता प्रदान की जा सकती है।
- **स्थानीय बाज़ारों की भूमिका:** यह योजना स्थानीय बाज़ारों या 'हाट बाज़ारों' की स्थापना को भी प्रोत्साहित करेगी, जहाँ महिलाएँ स्वयं निर्मित उत्पादों की बिक्री कर सकेंगी। इससे उनकी आर्थिक स्वावलंबन क्षमता सुदृढ़ होगी।
- **प्रभाव:** इस पहल का उद्देश्य बिहार से रोज़गार की तलाश में होने वाले लोगों के पलायन को रोकना तथा राज्य के भीतर बेहतर रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराना है।

बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड

- **उद्देश्य:** इसकी परिकल्पना एक **वैकल्पिक वित्तीय तंत्र** के रूप में की गई है, ताकि माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (MFIs) पर निर्भरता कम की जा सके तथा कम ब्याज दरों पर समय पर अधिक ऋण राशि उपलब्ध कराई जा सके।
- **सदस्यता:** जीविका के अंतर्गत **पंजीकृत सभी क्लस्टर-स्तरीय संघ** इस संघ के सदस्य बनेंगे।
- **वित्तपोषण:** इस संस्था के संचालन हेतु **बिहार सरकार तथा केंद्र सरकार दोनों** ही वित्तीय सहयोग प्रदान करेंगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **पारदर्शिता:** यह व्यवस्था पूर्णत: डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कार्य करेगी, जिससे जीविका दीदियों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष, त्वरित तथा पारदर्शी धन अंतरण सुनिश्चित होगा। इस प्रक्रिया को सहयोग देने के लिये **12,000 सामुदायिक कार्यकर्त्ताओं** को **टैबलेट** उपलब्ध कराए जाएंगे।

भूटान के प्रधानमंत्री का बोधगया का दौरा

चर्चा में क्यों ?

भूटान के प्रधानमंत्री ने बोधगया में स्थित महाबोधि मंदिर का भ्रमण किया और भगवान बुद्ध की प्रतिमा के समक्ष प्रार्थना अर्पित की तथा पवित्र बोधि वृक्ष के नीचे ध्यान लगाया।

महाबोधि मंदिर

महाबोधि महाविहार के बारे में

- **परिचय:**
  - महाबोधि महाविहार वह स्थल है जहाँ गौतम बुद्ध को बोधि वृक्ष के नीचे **ज्ञान प्राप्त** हुआ था।
  - मंदिर का निर्माण मूलत: सम्राट अशोक द्वारा ईसा पूर्व **तीसरी** शताब्दी में कराया गया था, जबकि वर्तमान संरचना 5वीं–6वीं शताब्दी ईस्वी की है।
- **वास्तुकला संबंधी विशेषताएँ:**
  - संपूर्ण परिसर में 50 मीटर ऊँचा **मुख्य मंदिर (वज्रासन), पवित्र बोधि वृक्ष तथा बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति से संबंधित छह अन्य पवित्र स्थल** शामिल हैं, जो प्राचीन स्तूपों से घिरे हुए हैं।
  - यह गुप्तकाल के सर्वप्रथम सुरक्षित **ईंट-निर्मित मंदिरों** में से एक है। सम्राट अशोक ने यहाँ बुद्ध के ध्यान स्थल को चिह्नित करने के लिये वज्रासन (हीरकासन) की स्थापना कराई थी।
- **पवित्र स्थल:**
  - प्रमुख स्थलों में **बोधि वृक्ष** (मूल वृक्ष का प्रत्यक्ष वंशज), **अनिमेष लोचन चैत्य** (जहाँ बुद्ध ने ज्ञान-प्राप्ति के बाद ध्यान किया था) तथा अन्य संबंधित स्थल शामिल हैं।
- **मान्यता:**
  - महाबोधि मंदिर को वर्ष 2002 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में सम्मिलित किया गया था

भारत ने पुरुष हॉकी एशिया कप 2025 जीता

चर्चा में क्यों ?

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 7 सितंबर 2025 को **बिहार** के **राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स** में हॉकी एशिया कप के फाइनल में दक्षिण कोरिया को **4-1** से हराया।

- इस जीत के साथ भारत ने **आठ साल का इंतजार समाप्त करते हुए महाद्वीपीय खिताब पुन: अर्जित किया** और इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (FIH) **पुरुष हॉकी विश्व कप 2026** (नीदरलैंड एवं बेल्जियम) के लिये क्वालीफाई किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- फाइनल में भारत की यह **9वीं उपस्थिति** थी, जो किसी भी टीम द्वारा सर्वाधिक थी।
- **हॉकी इंडिया** ने खिलाड़ियों के लिये **3 लाख रुपये** तथा सहयोगी स्टाफ के लिये **1.5 लाख रुपये** की घोषणा की।
- भारत ने अंतिम बार वर्ष **2017 (ढाका)** में **एशिया कप** जीता था।
- **टूर्नामेंट की स्थिति:**
  - **चैंपियन:** भारत (चौथा एशिया कप खिताब)
  - **उपविजेता:** दक्षिण कोरिया (कुल मिलाकर रिकॉर्ड 5 खिताब)
  - **तीसरा स्थान:** मलेशिया ने चीन को **4-1** से हराया
  - **पाँचवाँ स्थान:** जापान ने बांग्लादेश को **6-1** से हराया
- **पूर्व विजेता:**
  - **दक्षिण कोरिया:** 5 खिताब (1994, 1999, 2009, 2013, 2022)
  - **भारत:** 4 खिताब (2003, 2007, 2017, 2025)
  - **पाकिस्तान:** 3 खिताब (1982, 1985, 1989)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

गुरु-शिष्य परंपरा योजना

चर्चा में क्यों ?

बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग ने मुख्यमंत्री **गुरु-शिष्य परंपरा योजना शुरू की है।**

मुख्य बिंदु

योजना के बारे में:

- **उद्देश्य:**
  - इसका उद्देश्य अनुभवी गुरु और युवा शिष्यों के बीच पारंपरिक गुरु-शिष्य प्रणाली के माध्यम से दुर्लभ लोक कलाओं, **संगीत परंपराओं और चित्रकला को पुनर्जीवित** करना है।
  - इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण पूरा करने के बाद एक **भव्य दीक्षांत समारोह** आयोजित किया जाएगा, जहाँ प्रशिक्षु अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे और उन्हें सम्मानित भी किया जाएगा।
- **वित्तपोषण:**
  - बिहार सरकार ने इस योजना के लिये **1.11 करोड़ रुपये** मंज़ूर किये हैं।

- **प्रारूप और वित्तीय सहायता:**
  - कुल **20 गुरु, 20 संगतकार और 160 शिष्यों** का चयन किया जाएगा।
  - वित्तीय सहायता सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी।
  - चयनित **गुरुओं को प्रति माह 15,000 रुपये, संगतकारों को 7,500 रुपये और शिष्यों को 3,000 रुपये मासिक छात्रवृत्ति** दी जाएगी।
  - चयनित कला रूपों में **दो वर्ष का प्रशिक्षण** प्रदान किया जाएगा।
  - प्रत्येक प्रतिभागी को प्रति माह कम-से-कम 12 दिन उपस्थित रहना होगा।
- **पात्रता:**
  - गुरु की आयु **50 वर्ष या उससे अधिक** होनी चाहिये।
  - गुरु बिहार का **स्थायी निवासी** होना चाहिये।
  - गुरु के पास संबंधित दुर्लभ या लुप्तप्राय कला रूप में **कम-से-कम 10 वर्ष का अनुभव** होना चाहिये।
  - गुरु के पास उचित आवास या प्रशिक्षण स्थल होना चाहिये तथा प्रशिक्षण केंद्र तक पहुँच भी होनी चाहिये।
- **महत्त्व:**
  - वरिष्ठ कलाकारों को **सम्मानजनक मासिक आय प्राप्त होगी,** जिससे उनकी आजीविका सुनिश्चित होगी।
  - पारंपरिक और लुप्तप्राय कला रूपों को पुनर्जीवित तथा संरक्षित किया जाएगा।
  - युवा प्रतिभाओं, विशेषकर ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों से, को अपने कौशल को संवर्द्धित करने का एक मंच मिलेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **बिहार के मुख्यमंत्री** नीतीश कुमार ने **सर एम. विश्वेश्वरैया** को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य बिंदु

- सर एम. विश्वेश्वरैया के बारे में
  - 15 सितंबर 1861 को कर्नाटक में जन्मे, वे एक प्रख्यात इंजीनियर, विद्वान और राजनेता थे।
  - पुणे के इंजीनियरिंग कॉलेज से स्नातक करने के बाद, उन्होंने भारत के सबसे सम्मानित इंजीनियर की ख्याति प्राप्त की।
- **इंजीनियरिंग योगदान:**
  - **बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई:** उन्हें बाढ़ नियंत्रण तथा सिंचाई परियोजनाओं में उनके अग्रणी कार्य के लिये जाना जाता है। मैसूर में **कृष्ण राजा सागर (KRS) बाँध** के उनके डिज़ाइन ने जल भंडारण और सिंचाई में क्रांति ला दी।
  - **स्वचालित जल द्वार:** वर्ष 1903 में उन्होंने स्वचालित जल द्वार की एक अभिनव प्रणाली विकसित की, जिसे पुणे के **खडकवासला बाँध पर स्थापित किया गया।**
  - **शहरी नियोजन: उन्होंने हैदराबाद शहर** की योजना बनाने और उसकी जल निकासी तथा जल आपूर्ति प्रणालियों में सुधार करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **सार्वजनिक सेवा में भूमिका:**
  - उन्होंने **मैसूर के दीवान** (1912-1918) के रूप में कार्य किया और प्रमुख औद्योगिक तथा आर्थिक सुधारों को लागू किया।
  - शिक्षा, सार्वजनिक स्वास्थ्य और औद्योगीकरण पर उनके योगदान ने क्षेत्र में आर्थिक विकास की नींव रखी।
  - उन्हें भारत में आर्थिक नियोजन, **जिसे विश्वेश्वरैया योजना कहा जाता है,** के एक अग्रणी कार्यान्वयनकर्त्ता के रूप में जाना जाता है, जिसका वर्णन उन्होंने अपनी पुस्तक **"प्लांड इकोनॉमी इन इंडिया"** में किया है।
- **पुरस्कार और सम्मान:**
  - राष्ट्र के प्रति उनकी असाधारण सेवा के लिये वर्ष 1955 में उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, **भारत रत्न** से सम्मानित किया गया।
  - **सर एम. विश्वेश्वरैया को वर्ष 1911 में किंग एडवर्ड सप्तम** द्वारा **"कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ द इंडियन एम्पायर (C.I.E.)"** के रूप में नियुक्त किया गया था।
  - वर्ष 1915 में, सार्वजनिक कल्याण में उनके योगदान हेतु उन्हें **"नाइट कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द इंडियन एम्पायर (KCIE)"** की उपाधि से सम्मानित किया गया।
  - उन्हें इंस्टीट्यूशन ऑफ सिविल इंजीनियर्स, लंदन से माननीय सदस्यता, **भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलूरू** से फेलोशिप और भारत के आठ विश्वविद्यालयों से D.Sc., LL.D. तथा D.Litt. सहित कई माननीय उपाधियाँ प्राप्त हुईं।
  - उन्होंने वर्ष 1923 में **भारतीय विज्ञान कॉन्ग्रेस** की अध्यक्षता की।
- **इंजीनियर्स दिवस:** उनकी जयंती (**15 सितंबर**), **भारत में** प्रतिवर्ष **इंजीनियर्स दिवस के रूप में मनाई जाती है** ताकि इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनकी विरासत और योगदान का सम्मान किया जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

पूर्णिया में सेक्स सॉर्टेड सिमेन सेंटर

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के **पूर्णिया** सिमेन सेंटर में अत्याधुनिक सेक्स सॉर्टेड सिमेन सेंटर का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **प्रयोगशाला के बारे में:**
  - सेक्स सॉर्टेड सिमेन सेंटर, जिसे राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत 10 करोड़ रुपये की **केंद्रीय सहायता** से विकसित किया गया है, डेयरी क्षेत्र में परिवर्तन लाने के उद्देश्य से स्थापित की गई है। इसकी **उत्पादन क्षमता 5 लाख डोज़** (doses) प्रति वर्ष है।
- **स्वदेशी प्रौद्योगिकी:**
  - प्रधानमंत्री द्वारा 5 अक्तूबर, 2024 को लॉन्च की गई *गौसॉर्ट* (Gausort) प्रौद्योगिकी इस **सेंटर** का महत्त्वपूर्ण घटक है।
  - यह प्रौद्योगिकी सिमेन को वर्गीकृत करके लगभग 90% सटीकता से बछियाओं (calves) का जन्म सुनिश्चित करती है, जो डेयरी किसानों के **आर्थिक बोझ** को कम करने में सहायक है।
- **महत्त्व:**
  - यह सुविधा सुनिश्चित करती है कि सेक्स सॉर्टेड सिमेन किसानों को, विशेष रूप से **पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों** में, उचित दरों पर उपलब्ध हो, जो 'मेक इन इंडिया' तथा 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के अनुरूप है।
  - यह प्रौद्योगिकी बछियाओं के उत्पादन को बढ़ावा देती है, जो डेयरी फार्मिंग के लिये महत्त्वपूर्ण हैं तथा इससे किसान, विशेष रूप से डेयरी से जुड़े छोटे, सीमांत किसान और **भूमिहीन मज़दूरों** को प्रत्यक्ष **आर्थिक लाभ** मिलता है।
- **पूर्णिया** सिमेन सेंटर:
  - 84.27 करोड़ रुपये की **केंद्रीय अनुदान** से स्थापित पूर्णिया सिमेन सेंटर भारत में सबसे बड़े **सरकारी स्वामित्व वाले** सिमेन सेंटरों में से एक है तथा पूर्वी और पूर्वोत्तर राज्यों के लिये अपनी तरह का पहला केंद्र है।
  - यह केंद्र वर्तमान में प्रतिवर्ष 50 लाख डोज़ का उत्पादन कर रहा है, जो इस क्षेत्र में डेयरी उद्योग की वृद्धि में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

राष्ट्रीय गोकुल मिशन (RGM)

- **परिचय:**
  - RGM, जिसे वर्ष 2014 में **मछली पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय** द्वारा लॉन्च किया गया था, का उद्देश्य **स्वदेशी गोवंशीय नस्लों** का विकास तथा संरक्षण करना है।
  - इसे **पशुपालन और डेयरी विभाग** द्वारा कार्यान्वित किया जाता है।
  - यह मिशन राष्ट्रीय पशुधन विकास योजना के तहत वर्ष 2021 से 2026 की अवधि के लिये **2400 करोड़ रुपये** के बजट परिव्यय के साथ जारी है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **आवश्यकता:**
  - पुंगनूर (आंध्र प्रदेश) जैसी देशी गौवंशीय नस्लों का पतन, बहुमूल्य आनुवंशिक संसाधनों के लिये **खतरा** है। ये नस्लें **जलवायु-प्रतिरोधी** हैं, उच्च गुणवत्ता वाला **दूध** देती हैं और स्थानीय वातावरण के अनुकूल ढल जाती हैं, जिससे संरक्षण प्रयासों की आवश्यकता उजागर होती है।
- **उद्देश्य:**
  - RGM का उद्देश्य **गोजातीय उत्पादकता** तथा उच्च गुणवत्ता वाले **प्रजनन** को बढ़ावा देना तथा **कृत्रिम गर्भाधान** सेवाओं को सशक्त करना है।
    - **कृत्रिम गर्भाधान** एक प्रजनन प्रौद्योगिकी है, जिसमें गर्भधारण के लिये शुक्राणु को मादा के प्रजनन अंग में कृत्रिम रूप से प्रवेश कराया जाता है।
- **घटक:**
  - **उच्च आनुवंशिक योग्यता: RGM वंश परीक्षण, पीढ़ी चयन, जीनोमिक चयन** और **जर्मप्लाज्म आयात** के माध्यम से **बैल उत्पादन** (Bull production) द्वारा आनुवंशिक **योग्यता** को बढ़ाता है।
    - यह सिमेन सेंटरों को सशक्त बनाता है, सुनिश्चित गर्भधारण के लिये इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (IVF) प्रौद्योगिकी को लागू करता है और पशुधन में आनुवंशिक सुधार के लिये **नस्ल गुणन फार्म** (breed multiplication farms) स्थापित करता है।
  - **कृत्रिम गर्भाधान नेटवर्क:** देश में कृत्रिम गर्भाधान तक पहुँच बढ़ाने के लिये ग्रामीण भारत में बहुउद्देशीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों (MAITRI) की स्थापना को बढ़ावा दिया जाता है।
  - **डेटा प्रबंधन और सेवा वितरण:** RGM के तहत **राष्ट्रीय डिजिटल पशुधन मिशन** को कार्यान्वित किया जाता है, जिससे डेटा प्रबंधन तथा सेवा वितरण में सुधार होता है।
  - **देशी नस्लों का संरक्षण:** देशी मवेशियों की देखभाल और संरक्षण के लिये **गौशालाओं** को समर्थन प्रदान किया जाता है।
  - **कौशल विकास और जागरूकता: क्षमता निर्माण कार्यक्रमों** के माध्यम से किसानों में कौशल विकास तथा जागरूकता बढ़ाई जाती है, साथ ही गोजातीय प्रजनन में **अनुसंधान और नवाचार** का समर्थन किया जाता है।
  - **वित्तपोषण:** RGM के सभी घटकों को बड़े पैमाने पर 100% **अनुदान सहायता** के आधार पर वित्त पोषित किया जाता है, जबकि कुछ विशिष्ट घटकों में **आंशिक सब्सिडी** भी प्रदान की जाती है (जैसे, **IVF गर्भधारण**, लिंग क्रमबद्ध सिमेन, और नस्ल गुणन फार्म)।

बिहार में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** ने **केंद्रीय बजट 2025** के तहत बिहार के **पूर्णिया** में राष्ट्रीय मखाना बोर्ड का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **राष्ट्रीय मखाना बोर्ड के बारे में:**
  - इस नए बोर्ड का उद्देश्य **मखाना क्षेत्र** को सशक्त करना, इसके उत्पादन और प्रसंस्करण को बढ़ाना तथा **वैश्विक स्तर** पर इसके निर्यात की पहुँच का विस्तार करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

- **लागत:**
  - सरकार ने इन प्रयासों को समर्थन देने के लिये **475 करोड़ रुपये** के विकास पैकेज को स्वीकृति दी है।
- **मुख्य क्षेत्र:** राष्ट्रीय मखाना बोर्ड मखाना क्षेत्र की वृद्धि के लिये निम्नलिखित पहलुओं पर ध्यान देगा:
  - उत्पादन मानकों में वृद्धि कटाई के बाद के प्रबंधन में सुधार
  - **नवोन्मेषी** प्रौद्योगिकियों का परिचय
  - मूल्य संवर्द्धन
  - प्रभावी विपणन और **निर्यात तंत्र** विकसित करना
  - किसान-उत्पादक संगठनों की सहायता करना, ताकि वे **केंद्रीय योजनाओं** तक पहुँच बना सकें
- **उपयुक्त भौगोलिक स्थिति:**
  - बिहार भारत के कुल मखाना उत्पादन में लगभग 90% योगदान देता है। यहाँ लगभग 15,000 हेक्टेयर क्षेत्र में मखाना की खेती होती है, जिससे प्रतिवर्ष करीब 10,000 टन **मखाने** का उत्पादन होता है।
  - यह उत्पादन मुख्यत: **मिथिलांचल क्षेत्र** में केंद्रित है, जिसमें बिहार के उत्तर और पूर्वी हिस्से के 9 ज़िले शामिल हैं।
  - मधुबनी, **दरभंगा और पूर्णिया** जैसे ज़िलों की आर्द्रभूमि (wetland) **पारिस्थितिकी** मखाना की खेती के लिये आदर्श है।

प्रभाव (Impact)	चुनौतियाँ (Challenges)
बाज़ार में वृद्धि की संभावना: बेहतर ग्रेडिंग, पैकेजिंग और ब्रांडिंग से मिथिला मखाना एक प्रीमियम अंतर्राष्ट्रीय उत्पाद बनाया जा सकता है, जिससे किसानों की आय बढ़ेगी।	**कम उत्पादकता:** खेती श्रम-प्रधान है और उच्च उत्पादक किस्मों को अपनाने की गति धीमी है।
मल्लाह समुदाय को सहयोग: पारंपरिक रूप से हाशिये पर रहे मल्लाह समुदाय को सामाजिक-आर्थिक उत्थान और रोज़गार उपलब्ध होंगे।	**प्रसंस्करण इकाइयों का अभाव:** सीमित स्थानीय बुनियादी ढाँचे के कारण कच्चे मखाने को अन्य राज्यों में कम मूल्य पर बेचना पड़ता है।
आर्थिक विविधीकरण: विस्तारित हवाई अड्डों जैसे नए निर्यात बुनियादी ढाँचे द्वारा समर्थित कृषि और खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा मिलेगा।	**निर्यात अवरोध:** कार्गो सुविधाओं और निर्यात केंद्रों की कमी से प्रसंस्करण अन्य राज्यों में होता है, जिससे वैश्विक पहुँच सीमित रहती है
उत्पादकता पर ध्यान: **सुवर्ण वैदेही** और **सबौर मखाना-1** जैसी उच्च उत्पादक किस्मों को बढ़ावा दिया जा रहा है।	**निर्यात प्रयास:** विदेशों में छोटी खेपें भेजी गईं, लेकिन बड़े पैमाने पर वैश्विक उपस्थिति अभी भी कम है।

मखाना

- मखाना, जिसे **फॉक्स नट** भी कहा जाता है, *Euryale ferox* नामक जलीय पौधे से प्राप्त होता है, जो दक्षिण और पूर्वी एशिया के ताज़े पानी वाले तालाबों में उगता है।
- **गहरे रंग के कच्चे बीज** के कारण इसे अक्सर '**ब्लैक डायमंड**' भी कहा जाता है, जो फूटने पर सफेद हो जाता है।
- मखाना **कैलोरी और वसा में कम** किंतु पौध-आधारित प्रोटीन में समृद्ध होता है, साथ ही इसमें आहारीय फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट तथा मैग्नीशियम, पोटैशियम एवं फॉस्फोरस जैसे आवश्यक खनिज प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।
- मखाना सदियों से **हिंदू धार्मिक अनुष्ठानों** में शामिल रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

बिहार में पीएम विश्वकर्मा पर मेगा कॉन्क्लेव

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार के *सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME)* ने पीएम विश्वकर्मा योजना की दूसरी वर्षगाँठ के अवसर पर **पीएम विश्वकर्मा और राष्ट्रीय SC-ST हब मेगा कॉन्क्लेव** का आयोजन किया।

- इस कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को सशक्त बनाना, **उद्यमशीलता** को बढ़ावा देना तथा योजना की उपलब्धियों को प्रदर्शित करना था।
- MSME मंत्रालय ने पीएम विश्वकर्मा योजना को सशक्त करने के लिये **अहमदाबाद स्थित नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिज़ाइन (NID)** और **इंस्टिट्यूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट, आनंद (IRMA)** के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किये।

मुख्य बिंदु

- **पीएम विश्वकर्मा योजना के बारे में:**
  - पीएम विश्वकर्मा एक केंद्रीय क्षेत्रक योजना (Central Sector Scheme) योजना है, जिसे 17 सितंबर, 2023 को शुरू किया गया है जिसका उद्देश्य मैनुअल और उपकरण-आधारित कार्यों में लगे पारंपरिक कारीगरों तथा शिल्पकारों को व्यापक सहायता प्रदान करना है।
- **नोडल मंत्रालय:**
  - सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (MoMSME) इस योजना के लिये नोडल मंत्रालय है।
- **पात्रता:**
  - आवेदक को स्वरोज़गार के आधार पर असंगठित क्षेत्र में 18 परिवार-आधारित पारंपरिक व्यवसायों में से किसी एक में हाथों और औज़ारों के साथ काम करने वाला कारीगर या शिल्पकार होना चाहिये।
  - पंजीकरण के समय उसकी आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिये तथा पंजीकरण के समय वह व्यापार में सक्रिय रूप से कार्यरत होना चाहिये।
  - विगत 5 वर्षों में प्रधानमंत्री रोज़गार सृजन कार्यक्रम (PMEGP), मुद्रा, पीएम स्वनिधि के तहत ऋण नहीं लिया होना चाहिये सिवाय उन लोगों के जिन्होंने पूरी तरह से चुका दिया है।
  - प्रति परिवार केवल एक सदस्य (पति, पत्नी और अविवाहित बच्चे) को लाभ मिल सकता है।
  - **सरकारी कर्मचारी** तथा **उनके परिवार के सदस्य इसके पात्र नहीं हैं।**
- **पात्र व्यवसाय:**
  - 18 पात्र व्यवसायों में बढ़ई, नाव निर्माता, शस्त्र निर्माता, लोहार, हथौड़ा एवं उपकरण निर्माता, ताला निर्माता, सुनार, कुम्हार, मूर्तिकार, पत्थर तोड़ने वाला, मोची, राजमिस्त्री, टोकरी/चटाई/झाड़ू निर्माता/नारियल बुनकर, गुड़िया और खिलौने निर्माता, नाई, माला निर्माता, धोबी, दर्जी तथा मछली पकड़ने के जाल निर्माता शामिल हैं।
  - MSME मंत्रालय के अनुमोदन से **राष्ट्रीय संचालन समिति** द्वारा **सूची को अद्यतन** और संशोधित किया जा सकता है।
- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - **मान्यता:** लाभार्थियों को **पीएम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र** और **ID कार्ड** प्राप्त होता है, जिससे उन्हें योजना के सभी लाभों तक पहुँच प्राप्त होती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **कौशल उन्नयन:**
  - **मूल प्रशिक्षण** (5-7 दिनों में 40 घंटे, 500 रुपये प्रतिदिन भत्ता): इसमें कौशल **उन्नयन**, आधुनिक उपकरणों का उपयोग, डिजिटल लेनदेन और विपणन शामिल हैं।
  - **उन्नत प्रशिक्षण** (15 दिन, 500 रुपये प्रतिदिन भत्ता): उद्यमिता, आधुनिक प्रौद्योगिकी और व्यवसाय विस्तार पर केंद्रित।
- **उपकरण प्रोत्साहन:** आधुनिक उपकरण खरीद, उत्पादकता में सुधार और उत्पाद की गुणवत्ता के लिये e-RUPI/e-वाउचर के माध्यम से 15,000 रुपये तक प्रदान किये जाते हैं।
- **ऋण सहायता:** व्यवसाय विकास को बढ़ावा देने के लिये ब्याज अनुदान के साथ '**उद्यम विकास ऋण**' के रूप में 1 लाख रुपये (प्रथम किश्त) और 2 लाख रुपये (द्वितीय किश्त) के जमानत-मुक्त ऋण।

क्रियान्वयन:

- **राष्ट्रीय संचालन समिति (NSC):** NSC सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा गठित शीर्ष समिति होगी।
- NSC को योजना के क्रियान्वयन के संबंध में सभी प्रमुख नीतिगत और रणनीतिक निर्णय लेने तथा योजना में आवश्यक किसी भी संशोधन को स्वीकृति देने का अधिकार होगा, जैसे कि व्यापार की अतिरिक्त श्रेणियों को शामिल करना।
- **राज्य निगरानी समिति (SMC):** यह राज्य स्तर पर योजना के परिचालन क्रियान्वयन और निगरानी के लिये ज़िम्मेदार होगी तथा NSC एवं क्षेत्र-स्तरीय व्यवस्था के बीच एक सेतु के रूप में भी कार्य करेगी।
- **ज़िला क्रियान्वयन समिति (DIC):** यह क्षेत्र स्तर पर योजना के वास्तविक क्रियान्वयन के लिये ज़िम्मेदार होगी और राज्य सरकार एवं अन्य समितियों के साथ समन्वय करेगी।

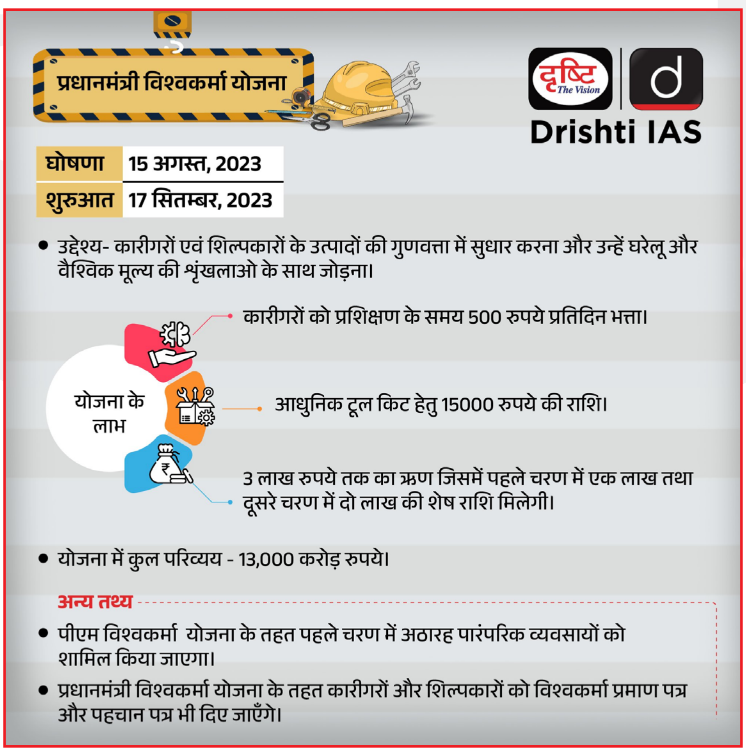

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

बेरोज़गार स्नातकों के लिये स्वयं सहायता भत्ता योजना

चर्चा में क्यों?

18 सितंबर 2025 को, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के प्रमुख सात निश्चय कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना के विस्तार की घोषणा की।

मुख्य बिंदु

- **योजना का विस्तार:**
    - यह योजना पहले **इंटरमीडिएट परीक्षा** उत्तीर्ण करने वाले बेरोज़गार युवाओं के लिये उपलब्ध थी।
    - किंतु यह योजना अब उन स्नातक युवाओं को अधिकतम दो वर्षों तक 1,000 रुपये प्रति माह की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी, जो
        - 20-25 आयु वर्ग के हैं,
        - पढ़ाई नहीं कर रहे हैं और **रोज़गार** के अवसर तलाश रहे हैं,
        - **स्व-नियोजित** नहीं हैं तथा
        - किसी भी सरकारी, निजी या गैर-सरकारी क्षेत्र में कार्यरत नहीं हैं।
- **उद्देश्य:**
    - इस योजना का उद्देश्य युवाओं को कौशल विकास और प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिये संसाधन उपलब्ध कराना है, जिससे अंतत: उनकी **आत्मनिर्भरता** तथा भविष्य में करियर की संभावनाओं में योगदान मिलेगा।
- **रोज़गार रणनीति:**
    - राज्य सरकार का लक्ष्य अगले **पाँच वर्षों में एक करोड़ रोज़गार** के अवसर उपलब्ध कराना है, जिससे सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में नौकरियों के अवसर सृजित होंगे।
- **आवेदन प्रक्रिया:**
    - पात्र युवा अपने **मोबाइल नंबर और ईमेल के माध्यम से पंजीकरण** करके "मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना" पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

सात निश्चय कार्यक्रम

- मुख्यमंत्री **सात निश्चय योजना** बिहार सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसमें युवाओं और समग्र राज्य विकास के उद्देश्य से **7 प्रमुख कार्यक्रम शामिल हैं।**
- सात निश्चयों को इस प्रकार से विकसित किया गया है कि उनके अंतर्गत बनाई गई योजनाएँ बिना किसी पक्षपात या पूर्वाग्रह के समाज के **प्रत्येक वर्ग तक समान रूप से पहुँच सकें।**
- **विकसित बिहार के लिये 7 निश्चय**, जो गुड गवर्नेंस प्रोग्राम 2015-2020 के **मिशन मोड** के अनुसार निर्धारित किये गए हैं, उनकी निगरानी **बिहार विकास मिशन** के अंतर्गत **7 उप-मिशनों** के माध्यम से की जाती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

रामधारी सिंह दिनकर की जयंती

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कवि रामधारी सिंह दिनकर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और हिंदी साहित्य में उनके योगदान तथा राष्ट्रवाद की भावना को प्रज्वलित करने वाली उनकी प्रेरक देशभक्ति **कविताओं** पर प्रकाश डाला।

मुख्य बिंदु

रामधारी सिंह दिनकर के बारे में:

- **प्रारंभिक जीवन और शिक्षा:**
  - उनका जन्म 23 सितंबर, 1908 को बिहार के **बेगूसराय के सिमरिया गाँव में** हुआ था।
  - उन्होंने **पटना विश्वविद्यालय** में दर्शनशास्त्र, राजनीति और इतिहास का अध्ययन किया तथा संस्कृत, उर्दू, बंगाली एवं अंग्रेज़ी सहित कई भाषाओं में पारंगत हो गए।
- **हिंदी साहित्य में योगदान:**
  - रामधारी सिंह दिनकर, जिन्हें उनके **उपनाम दिनकर** के नाम से भी जाना जाता है, एक प्रख्यात हिंदी और मैथिली कवि, स्वतंत्रता सेनानी तथा शिक्षाविद थे।
  - उनका साहित्यिक योगदान, विशेषकर महाभारत के **कर्ण के** जीवन पर आधारित महाकाव्य **रश्मिरथी**, हिंदी साहित्य का एक महत्त्वपूर्ण और प्रभावशाली अंग बना हुआ है।
- **दिनकर के कार्य पर प्रभाव:**
  - दिनकर रवींद्रनाथ टैगोर की काव्य शैली, महात्मा गांधी के राजनीतिक दर्शन और कार्ल मार्क्स के क्रांतिकारी विचारों के मिश्रण से प्रभावित थे, जिससे उन्होंने एक विशेष काव्यात्मक स्वर का निर्माण किया जो आम जनता के साथ प्रतिध्वनित हुआ।
- **भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:**
  - दिनकर की कविता, विशेष रूप से **वीर रस** (बहादुरी की भावना) में उनकी उग्र कविताओं ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान राष्ट्रवादी भावना को प्रज्वलित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **राजनीतिक और शैक्षणिक सहभागिता:**
  - उन्होंने राजनीति और शिक्षा दोनों क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया, वर्ष 1952 से 1964 तक वे राज्यसभा **के सदस्य** रहे।
  - वे 1960 के दशक में **भागलपुर विश्वविद्यालय के उपकुलपति** भी रहे, जिससे उनके शैक्षणिक क्षेत्र में प्रभाव और प्रबल हुआ।
- **सम्मान और प्रतिष्ठा:**
  - वर्ष **1959 में** उनको साहित्य में असाधारण योगदान के लिये पद्म भूषण से सम्मानित किया गया, जिससे वे भारत के महान साहित्यकारों में गिने जाने लगे।
  - **राष्ट्रीय कवि (राष्ट्रकवि)** के रूप में प्रसिद्ध, दिनकर को उनकी **देशभक्ति और प्रेरक रचनाओं** के लिये जाना जाता है, जिन्होंने अपने समय की सार्थकता को बहुत अच्छे से चित्रित किया है।
  - **वर्ष 1999 में,** उनको भारत सरकार द्वारा हिंदी को आधिकारिक भाषा बनने की 50वीं वर्षगाँठ पर जारी विशेष डाक टिकटों की श्रृंखला में प्रमुख हिंदी लेखकों में शामिल किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- 22 मई 2015 को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में दिनकर की महत्त्वपूर्ण रचनाएँ **संस्कृति के चार अध्याय** और **परशुराम की प्रतीक्षा** के स्वर्ण जयंती उत्सव का शुभारंभ किया।

प्रधानमंत्री स्मृति-चिह्नों में बिहार की लोककला का प्रदर्शन

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री स्मृति चिह्न ई-नीलामी के 7वें संस्करण में **बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत** को प्रदर्शित किया गया है, जिसमें मधुबनी और **सिक्की कला** के उदाहरणों सहित 40 अद्वितीय वस्तुएँ अब सार्वजनिक बोली के लिये उपलब्ध हैं।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - **प्रधानमंत्री** स्मृति-चिह्न ई-नीलामी, जिसे **संस्कृति मंत्रालय** ने **राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय, दिल्ली** के माध्यम से आयोजित किया, नागरिकों को वर्ष 2019 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिये गए स्मृति-चिह्न प्राप्त करने का अवसर देती है।
  - इस नीलामी से प्राप्त धनराशि **पवित्र नदी** गंगा के पुनरुद्धार के लिये समर्पित **नमामि गंगे परियोजना** को सहायता प्रदान करेगी।
- **बिहार की कलात्मक विशेषताएँ:**
- **मधुबनी पेंटिंग:**
  - यह जटिल मधुबनी पेंटिंग **भगवान कृष्ण** को गोपियों के साथ दर्शाती है, जो **दिव्य प्रेम और आध्यात्मिक सद्भाव** को प्रदर्शित करती है।
  - मोटी रेखाओं, जटिल पैटर्न और प्राकृतिक रंगों के लिये प्रसिद्ध यह पेंटिंग **मिथिला क्षेत्र** की गहन लोक परंपराओं का प्रतिनिधित्व करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **मिथिला पेंटिंग:**
  - एक सजीव मिथिला पेंटिंग, जिसमें एक महिला **कमल का फूल** और एक **शिवलिंग** पकड़े हुए है, जो **भगवान शिव** का प्रतीक है, यह कलाकृति बिहार की लोक कला का सुंदर प्रतिनिधित्व करती है।
  - कागज़ पर **पोस्टर रंगों** में बनाई गई यह पेंटिंग पारंपरिक **भूरे रंग के फ्रेम** में है, जिसमें मिथिला कला की विशेषता वाले जटिल और सजीव रेखाचित्र प्रदर्शित हैं।
  - यह कलाकृति मिथिला चित्रकला की समृद्ध परंपरा को दर्शाती है, जो हिंदू देवी-देवताओं, प्रकृति और दैनिक जीवन से गहराई से जुड़ी हुई है।

- **सिक्की कला:**
  - इस **कला** में **भगवान राम और सीता** को सुनहरे रंग में दर्शाया गया है, जो युगल की **दिव्य कृपा** को प्रकट करता है।
  - बिहार की पारंपरिक **सिक्की कला** शैली में निर्मित इस कलाकृति में दिव्य दंपति का सुनहरा चित्रण **गहरे रंग की पृष्ठभूमि** में प्रस्तुत किया गया है, जो उनकी शक्ति और सुंदरता पर ज़ोर देता है।
  - सिक्की कला अपनी जटिल शिल्पकला के लिये जानी जाती है और यह कलाकृति बिहार की सांस्कृतिक समृद्धि, विशेष रूप से लोक परंपराओं में **दैवीय आकृतियों के चित्रण** को दर्शाती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

पीरपैंती थर्मल पावर प्लांट

चर्चा में क्यों ?

बिहार में विपक्षी पार्टी ने भागलपुर के **पीरपैंती में** थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने के लिये **अडानी समूह को 1,050 एकड़ भूमि** मात्र **1 रुपये प्रति वर्ष पट्टे पर देने के राज्य सरकार** के निर्णय के विरुद्ध पटना में प्रदर्शन किया।

मुख्य बिंदु

पीरपैंती थर्मल पावर प्लांट परियोजना

- **परिचय:**
  - **अडानी पावर लिमिटेड** भागलपुर ज़िले के **पीरपैंती** क्षेत्र में 2,400 मेगावाट (3 अरब अमेरिकी डॉलर) की **कोयला आधारित परियोजना पीरपैंती थर्मल पावर प्लांट** का विकास कर रही है।
  - इस परियोजना में 800 मेगावाट की तीन इकाइयाँ होंगी। निर्माण के दौरान लगभग 10,000 और संचालन शुरू होने के बाद लगभग 3,000 स्थायी रोज़गार सृजित होने की संभावना है।
- **परियोजना के विरुद्ध आरोप:**
  - **भूमि पट्टा:** 1,050 एकड़ भूमि 33 वर्षों के लिये 1 रुपये प्रति वर्ष की दर से अडानी पावर को पट्टे पर दी गई, जिसे विपक्षी पार्टी ने उपहार बताया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **पर्यावरणीय प्रभाव:** कथित तौर **पर 10 लाख वृक्षों को काटा** गया, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र को हानि पहुँची।
- **कृषि भूमि रूपांतरण:** परियोजना स्वीकृति के लिये उपजाऊ कृषि भूमि को कथित तौर पर बंजर के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया।
- **विद्युत शुल्क:** बिहार के निवासियों को लगभग 6 रुपये प्रति यूनिट का भुगतान करना पड़ सकता है, जो महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की दरों से अधिक है।

- **सरकारी प्रतिक्रिया:**
  - अडानी पावर ने यह परियोजना **पारदर्शी टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्द्धात्मक निविदा (TBCB) प्रक्रिया** के तहत विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 63 के अनुसार प्राप्त की।
  - भूमि पहले ही वर्ष 2022 में **बिहार राज्य पावर जनरेशन कंपनी (BSPGCL)** को 1 रुपये प्रति वर्ष की दर से पट्टे पर दी जा चुकी थी।
  - विद्युत् उत्पादन लागत कम करने के लिये निविदा तंत्र में नाममात्र पट्टा दर को शामिल किया गया था, जबकि भूमि का **स्वामित्व बिहार के ऊर्जा विभाग** के पास बना हुआ है।

बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज 2025:

- अगस्त 2025 में, बिहार कैबिनेट ने बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन पैकेज 2025 को स्वीकृति दी, जो पात्र निवेशकों को 1 रुपये की प्रतीकात्मक दर पर भूमि आवंटन की अनुमति देता है।
- **नीति के अंतर्गत:**
  - **100 करोड़ रुपये के निवेश और 1,000 रोज़गार के सृजन पर** 10 एकड़ निशुल्क भूमि प्राप्त की जा सकेगी।
  - **1,000 करोड़ रुपये के निवेश पर** 25 एकड़ तक निशुल्क भूमि प्राप्त की जा सकती है।
  - **फॉर्च्यून 500 कंपनियों** को 10 एकड़ निशुल्क भूमि मिलेगी।
  - अन्य निवेशकों को **बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण** (BIADA) की भूमि दरों पर 50% की छूट मिलती है।
  - यह योजना **31 मार्च, 2026 तक सभी योग्य निवेशकों के लिये खुली है**, जिससे 1 रुपये में भूमि हस्तांतरण केवल अडानी तक सीमित नहीं है।

बिहार में दो आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल के रूप में किया घोषित

चर्चा में क्यों?

भारत ने बिहार से दो नई आर्द्रभूमि — **बक्सर में गोकुल जलाशय** और **पश्चिम चंपारण में उदयपुर झील** — को अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के रामसर सम्मेलन स्थलों की वैश्विक सूची में शामिल किया है।

- इन स्थलों के जुड़ने के साथ, भारत के रामसर स्थलों की संख्या अब **93** हो गई है, जो 13,60,719 हेक्टेयर क्षेत्रफल को कवर करती हैं। यह **एशिया में अपनी शीर्ष स्थान** बनाए रखते हुए वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है, जबकि यूके (176) तथा मेक्सिको (144) पहले और दूसरे स्थान पर हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

प्रमुख बिंदु

- **गोकुल जलाश्य, बक्सर जिला:**
  - **प्रकार:** गंगा **नदी** के **दक्षिणी किनारे** स्थित **ऑक्सबो झील**।
  - **पारिस्थितिक भूमिका:** पास के गाँवों के लिये प्राकृतिक बाढ़ अवरोधक का कार्य करता है और 50 से अधिक पक्षी प्रजातियों के लिये निवास स्थान प्रदान करता है।
  - **सामुदायिक संपर्क: मत्स्यन**, **कृषि** और **सिंचाई** के माध्यम से आजीविका प्रदान करता है।
  - **स्थानीय परंपरा:** गाँववाले प्रत्येक वर्ष एक **उत्सव** के दौरान जलग्रहण क्षेत्र की सफाई करते हैं।
- **उदयपुर झील, पश्चिम चंपारण जिला:**
  - **प्रकार:** गाँव के चारों ओर स्थित ऑक्सबो झील।
  - **जैव विविधता:** यहाँ **280 पादप प्रजातियाँ** पाई जाती हैं, जिनमें **एलिसिकार्पस रॉक्सबर्गियानस (Alysicarpus roxburghianus)** (भारत के लिये स्थानीय) भी शामिल है।
    - यह **35 प्रवासी पक्षी प्रजातियों** के लिये एक महत्त्वपूर्ण शीतकालीन निवास स्थान है, जिनमें **संकटग्रस्त कॉमन पोचार्ड** भी शामिल है।
- **परिचय:** ये **दलदली**, **फेन**, **पीटलैंड** अथवा **जल** क्षेत्र (**प्राकृतिक या कृत्रिम**) होते हैं, जिनमें **स्थिर** या **प्रवाहित जल** पाया जाता है, जिनमें **छह मीटर से अधिक गहराई वाले समुद्री क्षेत्र शामिल** हैं।
  - आर्द्रभूमियाँ एक पारिस्थितिक इकोटोन (**Ecotone**) हैं, जिसमें **स्थलीय** और **जलीय पारिस्थितिक तंत्रों** के बीच संक्रमणकालीन भूमि होती है।
- **रामसर कन्वेंशन:** इसे यह वर्ष 1971 में **ईरान के रामसर** में अपनाया गया था तथा यह **आर्द्रभूमि संरक्षण और विवेकपूर्ण उपयोग** के लिये एक वैश्विक रूपरेखा प्रदान करता है। **भारत वर्ष 1982 में इसमें शामिल हुआ।**
  - मॉन्ट्रो रिकॉर्ड (संकटग्रस्त सूची) में उन आर्द्रभूमियों को शामिल किया जाता है, जिनका **पारिस्थितिक स्वरूप** मानवीय गतिविधियों या प्रदूषण के कारण बिगड़ रहा है। भारत की **दो आर्द्रभूमियाँ** मॉन्ट्रो रिकॉर्ड में शामिल हैं:
    - **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान (1990): यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल।**
    - लोकटक झील, **मणिपुर (1993):** पूर्वोत्तर भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील, जो अपनी **फुमडी (Phumdis)** (वनस्पति, मृदा और कार्बनिक पदार्थों के तैरते हुए समूह) के लिये जानी जाती है।
  - चिल्का झील को वर्ष **1993** में मॉन्ट्रो रिकॉर्ड में शामिल किया गया था, लेकिन वर्ष 2002 में इसे बाहर (एशिया की पहली आर्द्रभूमि जिसे सूची से हटाया गया) कर दिया गया।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राष्ट्रीय करेंट अफेयर्स

उर्जित पटेल IMF में कार्यकारी निदेशक नियुक्त

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार ने भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के पूर्व गवर्नर **उर्जित पटेल** को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) में **कार्यकारी निदेशक** (ED) के रूप में नियुक्त करने को मंज़ूरी दे दी है।

- वह भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जो **बांग्लादेश, श्रीलंका और भूटान के साथ चार देशों** के निर्वाचन क्षेत्र का अंग है।
- IMF के कार्यकारी बोर्ड में 25 निदेशक होते हैं, जिनका चुनाव सदस्य देशों या देशों के समूहों द्वारा किया जाता है।

मुख्य बिंदु

- **मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति** ने कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि के लिये अथवा अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, उनकी नियुक्ति को मंज़ूरी दी है।
- वह पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार **के. वी. सुब्रमण्यन** का स्थान लेंगे, जिनका कार्यकाल अनियमितता के आरोपों के कारण छह महीने कम कर दिया गया था।
- **भूमिका:** IMF में कार्यकारी निदेशक के रूप में, वह निम्नलिखित कार्य करेंगे:
  - कार्यकारी बोर्ड का हिस्सा बनना, जो **वैश्विक और क्षेत्रीय आर्थिक नीतियों, राष्ट्रीय आर्थिक नीतियों** तथा कोष की क्षमता-विकास पहलों पर विचार-विमर्श करता है तथा उन पर प्रभाव डालता है।
  - अस्थायी भुगतान-संतुलन समस्याओं के समाधान हेतु सदस्य देशों की वित्तीय सहायता पैकेजों की स्वीकृति में सहयोग प्रदान करना।
  - सदस्य देशों के आर्थिक सुधारों और नीतिगत पहलों को दिये जाने वाले IMF के सहयोग की निगरानी में केंद्रीय भूमिका निभाना।

उर्जित पटेल:

- **परिचय**
  - उर्जित पटेल वर्ष 2016 से 2018 तक **भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI)** के 24वें गवर्नर रहे। उन्होंने रघुराम राजन के उत्तराधिकारी के रूप में यह दायित्व संभाला। इससे पूर्व वे उप-गवर्नर के पद पर कार्यरत थे, जहाँ उन्होंने मौद्रिक नीति, आर्थिक अनुसंधान और जमा बीमा जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों की देखरेख की थी।
  - RBI से त्याग-पत्र देने के बाद उर्जित पटेल ने बीजिंग स्थित एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (AIIB) में **निवेश परिचालन के उपाध्यक्ष** के रूप में कार्य किया। पारिवारिक स्वास्थ्य कारणों से उन्होंने जनवरी 2024 में इस पद से त्यागपत्र दे दिया।
  - जून 2020 से वे **राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (NIPFP)** के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।
- **RBI में सुधार:**
  - उनके नेतृत्व में RBI ने मौद्रिक नीति में महत्त्वपूर्ण सुधार पेश किये, जिनमें ब्याज दरों पर निर्णय लेने के लिये अक्तूबर 2016 में गठित मौद्रिक नीति समिति (MPC) भी शामिल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **परिवर्तनीय मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण:** RBI ने जनवरी 2014 में अनुशंसित परिवर्तनीय मुद्रास्फीति लक्ष्य निर्धारण ढाँचे को अपनाया, जिसमें पटेल ने डिप्टी गवर्नर के रूप में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डायमंड लीग 2025

चर्चा में क्यों ?

नीरज चोपड़ा स्विट्ज़रलैंड के ज़्यूरिख में आयोजित डायमंड लीग फाइनल में उपविजेता रहे। जर्मनी के **जूलियन वेबर** ने 91.57 मीटर का थ्रो फेंककर अपना पहला डायमंड लीग खिताब जीता।

मुख्य बिंदु:

- **नीरज चोपड़ा** का सर्वश्रेष्ठ थ्रो फाइनल राउंड में 85.01 मीटर रहा, जिससे वह **केशोर्न वालकॉट** (84.95 मीटर) को पीछे छोड़कर तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुँच गए।
- यूरोपीय चैंपियन **जूलियन वेबर** ने दो बार 90 मीटर से अधिक का थ्रो करते हुए प्रतियोगिता पर प्रभुत्व स्थापित किया और विश्व चैंपियनशिप के लिये शीर्ष दावेदार के रूप में अपनी स्थिति सुदृढ़ की।

वांडा डायमंड लीग

- **शृंखला का अवलोकन:** वर्ष 2010 में आरम्भ की गई वांडा डायमंड लीग एक **विशिष्ट वैश्विक एथलेटिक्स प्रतियोगिता** है, जिसमें चार महाद्वीपों और 13 देशों में आयोजित 15 प्रतिष्ठित स्पर्द्धाएँ शामिल हैं। यह एथलीटों को प्रमुख **चैंपियनशिप** के अतिरिक्त खेल की **सर्वोच्च उपाधि** के लिये प्रतिस्पर्द्धा करने का अवसर प्रदान करती है।
  - एथलीट अप्रैल से सितंबर तक आयोजित 14 शृंखला प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और अपने प्रदर्शन के आधार पर अंक अर्जित करते हैं। प्रत्येक प्रतियोगिता के शीर्ष एथलीट, वाइल्डकार्ड प्रविष्टियों के साथ, दो दिवसीय वांडा डायमंड लीग फाइनल के लिये क्वालीफाई करते हैं।
- **वांडा डायमंड लीग फाइनल:** ज़्यूरिख में आयोजित यह दो दिवसीय आयोजन **विजेता-सब-कुछ ले जाए** प्रारूप पर आधारित है। प्रत्येक स्पर्द्धा के विजेताओं को डायमंड ट्रॉफी तथा (निर्धारित शर्तों के अनुसार) वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में वाइल्डकार्ड प्रविष्टि प्रदान की जाती है।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार 2025

चर्चा में क्यों ?

भारत के ग्रामीण और शैक्षिक रूप से वंचित क्षेत्रों में बालिकाओं की शिक्षा हेतु सामुदायिक तथा सरकारी संसाधन जुटाने के लिये समर्पित भारतीय गैर-लाभकारी संगठन **'फाउंडेशन टू एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली'** को वर्ष 2025 का रेमन मैग्सेसे पुरस्कार प्रदान किया गया है।

- अन्य पुरस्कार विजेताओं में **मालदीव की शाहिना अली** को उनके पर्यावरण संबंधी कार्य के लिये तथा **फिलीपींस के फ्लावियानो एंटोनियो एल. विलानुएवा** को गरीबों और हाशिये पर पड़े लोगों के उत्थान के प्रयासों के लिये सम्मानित किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **एजुकेट गर्ल्स के बारे में:**
  - इसे फाउंडेशन टू एजुकेट गर्ल्स ग्लोबली के नाम से भी जाना जाता है। इसकी स्थापना वर्ष 2007 में **सफीना हुसैन** द्वारा की गई थी।
    - यह एशिया में **नोबेल पुरस्कार के समकक्ष** इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संगठन है।
- **उद्देश्य:**
  - इस संगठन की **शुरुआत राजस्थान** से हुई, जिसका उद्देश्य स्कूल न जाने वाली बालिकाओं को कक्षाओं में नामांकन कर **महिला निरक्षरता** को दूर करना तथा उच्च शिक्षा और रोज़गार तक उनकी सहायता करना है।
- **मिशन:**
  - फाउंडेशन का मुख्य मिशन **"वन गर्ल एट अ टाइम"** है, जो ज़मीनी स्तर के प्रयासों, सामुदायिक प्रोत्साहन तथा साझेदारी पर आधारित है।
  - इसका उद्देश्य गरीबी, घरेलू कार्य जैसे अवरोधों को दूर कर समाज में बालिका शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है।
- **पहल:**
  - वर्ष 2015 में एजुकेट गर्ल्स ने शिक्षा क्षेत्र में विश्व का पहला **विकास प्रभाव बॉण्ड (DIB)** शुरू किया, जिसमें वित्तीय सहायता को मापने योग्य परिणामों से जोड़ा गया। इस पहल से 30,000 गाँवों की 20 लाख से अधिक बालिकाएँ लाभान्वित हुईं।
  - संगठन ने 15-29 वर्ष की युवा महिलाओं के लिये एक ओपन स्कूलिंग कार्यक्रम **'प्रगति'** की भी शुरुआत की, जिसमें प्रतिभागियों की संख्या 300 से बढ़कर 31,500 हो गई। इस पहल ने उन्हें अपनी शिक्षा पूरी करने में महत्त्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार

- वर्ष 1958 में स्थापित **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार** उन व्यक्तियों और संगठनों को सम्मानित करता है जिन्होंने जटिल सामाजिक मुद्दों को संबोधित करते हुए एशिया तथा विश्व स्तर पर मानव विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।
  - पुरस्कार विजेताओं का चयन प्रतिवर्ष **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार फाउंडेशन (RMAF)** द्वारा किया जाता है और उन्हें पदक, प्रमाण-पत्र तथा नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
- 67वाँ **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार समारोह** 7 नवंबर, 2025 को मनीला के **मेट्रोपॉलिटन थिएटर** में आयोजित किया जाएगा।
- **उद्देश्य:**
  - यह पुरस्कार जाति, लिंग या धर्म से परे नि:स्वार्थ सेवा और भावना की महानता को मान्यता देने के लिये बनाया गया था तथा एशिया में परिवर्तनकारी नेतृत्व तथा साहस का उत्सव मनाता है।
- **श्रेणियाँ:**
  - वर्ष 1958 से 2008 तक यह पुरस्कार छह श्रेणियों में प्रदान किया गया:
    - सरकारी सेवा
    - सार्वजनिक सेवा
    - सामुदायिक नेतृत्व
    - पत्रकारिता, साहित्य और रचनात्मक संचार कला
    - शांति और अंतर्राष्ट्रीय समझ
    - उभरता नेतृत्व (40 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों के लिये)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- वर्ष 2009 के बाद से यह पुरस्कार किसी निश्चित श्रेणी में नहीं दिया जाता, केवल **इमर्जेंट लीडरशिप** को छोड़कर, जो *फोर्ड फाउंडेशन* के सहयोग से जारी है।

युद्ध अभ्यास 2025

चर्चा में क्यों ?

भारतीय सेना का एक दल **अमेरिका के अलास्का स्थित फोर्ट वेनराइट** के लिये प्रस्थान कर चुका है, जहाँ 1 से 14 सितंबर, 2025 तक भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास **'युद्ध अभ्यास'** का 21वाँ संस्करण आयोजित किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **भाग लेने वाली सेनाएँ:**
  - भारतीय दल में **मद्रास रेजिमेंट** की एक बटालियन के कार्मिक शामिल हैं, जो भारतीय सेना की सबसे पुरानी रेजिमेंटों में से एक है।
  - अमेरिकी सेना का प्रतिनिधित्व 11वीं एयरबोर्न डिवीज़न के अंतर्गत *आर्कटिक वोल्व्स ब्रिगेड कॉम्बैट टीम* की पहली बटालियन, 5वीं इन्फैंट्री रेजीमेंट **"बॉबकैट्स"** के सैनिकों द्वारा किया जाएगा।
- **गतिविधियाँ:**
  - अभ्यास के दौरान दोनों देशों की सेनाएँ विविध सामरिक कौशलों का अभ्यास करेंगी, जिनमें हेलिबोर्न ऑपरेशन, निगरानी संसाधनों एवं **मानव रहित हवाई प्रणालियों का प्रयोग,** रॉकक्राफ्ट, पर्वतीय युद्धकला, हताहतों की निकासी, युद्धक्षेत्र चिकित्सा सहायता तथा तोपखाने, **वायुसेना** एवं इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का समन्वित उपयोग शामिल है।
- **अभ्यास का समापन:**
  - यह अभ्यास संयुक्त रूप से नियोजित एवं क्रियान्वित सामरिक अभियानों के साथ संपन्न होगा, जिनमें **लाइव-फायर ड्रिल्स** से लेकर उच्च पर्वतीय युद्ध परिदृश्यों तक की अभिव्यक्ति होगी।
- **उद्देश्य:**
  - 'युद्ध अभ्यास 2025' का एक महत्त्वपूर्ण उद्देश्य **संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना** अभियानों के लिये परिचालन तत्परता को सुदृढ़ करना है, जिससे शांति अभियानों के प्रभावी प्रबंधन हेतु क्षमता-निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।
  - इसके अतिरिक्त, यह अभ्यास बहु-क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने हेतु सेनाओं को तैयार करेगा तथा एकीकृत युद्ध और संयुक्त परिचालन रणनीतियों के महत्त्व पर ज़ोर देगा।

आदि वाणी

चर्चा में क्यों ?

जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने **जनजातीय गौरव वर्ष (JJGV)** समारोह के हिस्से के रूप में जनजातीय भाषाओं के लिये भारत के पहले **AI-संचालित** अनुवाद मंच **'आदि वाणी'** का बीटा संस्करण लॉन्च किया है।

मुख्य बिंदु

- **आदि वाणी के बारे में**
  - आदि वाणी को **IIT दिल्ली** के नेतृत्व में एक राष्ट्रीय संघ द्वारा विकसित किया गया है, जिसमें BITS पिलानी, IIIT हैदराबाद, IIIT नवा रायपुर तथा झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मेघालय के जनजातीय अनुसंधान संस्थानों का सहयोग शामिल है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- बीटा संस्करण वर्तमान में **संथाली, भीली, मुंडारी और गोंडी** भाषाओं का समर्थन करता है, जबकि **कुई और गारो** जैसी भाषाओं पर विकास कार्य प्रगति पर है।

- **प्रमुख विशेषताएँ:**
  - हिंदी, अंग्रेजी और जनजातीय भाषाओं के बीच वास्तविक समय में पाठ एवं वाक् अनुवाद की सुविधा।
  - छात्रों और नव-शिक्षार्थियों के लिये **इंटरैक्टिव भाषा शिक्षण मॉड्यूल**।
  - लोककथाओं एवं मौखिक परंपराओं का डिजिटलीकरण कर सांस्कृतिक धरोहर का संरक्षण।
  - जनजातीय भाषाओं में सरकारी परामर्श एवं स्वास्थ्य संबंधी संदेश, उपशीर्षकों सहित उपलब्ध कराना।

जनजातीय गौरव वर्ष (JJGV)

- यह वर्ष भगवान बिरसा मुंडा (धरती आबा) की 150वीं जयंती का स्मरण करता है तथा जनजातीय नायकों की अद्वितीय विरासत को सम्मानित करता है।
- इसे **15 नवंबर 2024 से 15 नवंबर 2025** तक जनजातीय गौरव दिवस (2021 में घोषित) के एक साल के विस्तार के रूप में मनाया जा रहा है।
- यह पहल धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष ग्राम अभियान तथा प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान (PM JAN-MAN) जैसे प्रमुख कार्यक्रमों से जुड़ी हुई है।

उद्देश्य:

- भारत की **सांस्कृतिक अस्मिता** और स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदायों के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक योगदान को रेखांकित करना।
- **संपूर्ण शासन दृष्टिकोण** के माध्यम से जनजातीय कल्याण को प्रोत्साहित करना।
- **जनजातीय विकास संबंधी पहलों में** जनभागीदारी (लोगों की सक्रिय सहभागिता) को बढ़ावा देना।
- जनजातीय नायकों के प्रति जागरूकता और राष्ट्र-निर्माण में उनकी भूमिका की पहचान को सुदृढ़ करना।

NCERT का 65वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने NCERT के 65वें स्थापना दिवस पर अनेक पहलों का शुभारंभ किया। उन्होंने संस्थान से **शिक्षा के प्रति सुधारोन्मुख एवं प्रौद्योगिकी-आधारित दृष्टिकोण** अपनाने का आह्वान किया।

मुख्य बिंदु

शुभारंभ की गई प्रमुख पहलें:

- **पीएम ई-विद्या मोबाइल एप्लिकेशन:**
  - यह पीएम ई-विद्या के अंतर्गत सभी प्रमुख डिजिटल एवं प्रसारण पहलों तक पहुँच हेतु एक केंद्रीकृत पोर्टल है, जिसे BISAG-N के सहयोग से विकसित किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- दीक्षा 2.0 :
  - इसमें संरचित पाठ, अनुकूली मूल्यांकन, प्रदर्शन फीडबैक, चर्चा मंच और **एआई** उपकरण जैसे रीड अलाउड, क्लोज्ड कैप्शन तथा 12 भाषाओं में पाठ फाइलों का अनुवाद शामिल है।
- **प्रशस्त 2.0:**
  - यह एक **पूर्व-मूल्यांकन समग्र स्क्रीनिंग टूल है** जो दिव्यांग बच्चों की शीघ्र पहचान के लिये मोबाइल और वेब प्लेटफॉर्म को उन्नत करता है।
- **किताब एक पढ़े अनेक :**
  - राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप यह पहल **यूनिवर्सल डिज़ाइन ऑफ़ लर्निंग (UDL) आधारित** सुलभ डिजिटल एवं मुद्रित पाठ्यपुस्तकों के निर्माण पर केंद्रित है। इसका उद्देश्य **समावेशी कक्षाओं की स्थापना करना** है, जिससे विशेषकर दिव्यांगजन छात्रों एवं सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के बच्चों को लाभ मिल सके।
- **उत्कल जननींकर सुजोग्य संतान :**
  - **यह पुस्तक ओडिशा के 100 महान व्यक्तित्वों** के जीवन और योगदान पर आधारित है, जिन्होंने आधुनिक ओडिशा के विकास में योगदान दिया तथा राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन **में भी भाग लिया।**

NCERT (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद)

- **स्थापना:** 1 सितंबर 1961
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली
- **उद्देश्य: भारत सरकार के अधीन** एक **स्वायत्त संगठन के रूप में** , यह विद्यालयी शिक्षा से संबंधित शैक्षणिक मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सहायता तथा सलाह देता है।
- **कार्य:** पाठ्यपुस्तकें, शिक्षण-अधिगम सामग्री और **नवीन शैक्षणिक उपकरण विकसित करना,** साथ ही अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी संचालित करना।

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का 8वाँ स्थापना दिवस

चर्चा में क्यों?

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (IPPB) ने 1 सितंबर 2025 को अपना **8वाँ स्थापना दिवस** मनाया और समावेशी तथा सुलभ **बैंकिंग सेवाएँ** अंतिम छोर तक पहुँचाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

मुख्य बिंदु

- **IPPB के बारे में:**
  - इसकी स्थापना वर्ष 2018 में डाक विभाग के अधीन एक सरकारी पहल के रूप में की गई थी।
  - इसका उद्देश्य वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहित करना और डिजिटल इंडिया अभियान को आगे बढ़ाना है।
- **क्षेत्र**
  - IPPB के पास 1.64 लाख से अधिक **डाकघर तथा 1.90 लाख डाकिया और ग्रामीण डाक सेवक (GDS) कार्यरत हैं।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह 12 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान करता है, अरबों डिजिटल लेन-देन संपन्न करता है तथा ग्रामीण, अर्द्ध-शहरी और दूरस्थ क्षेत्रों में घर-घर बैंकिंग उपलब्ध कराता है।

- **उद्देश्य**
  - प्रत्येक भारतीय को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना और आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह प्रशस्त करना।
  - **अंतिम छोर तक बैंकिंग सेवाएँ पहुँचाना** ताकि ग्रामीण एवं वंचित आबादी भी वित्तीय रूप से समावेशित हो सके।
- **सेवाएँ:**
  - IPPB ने अपनी सेवाओं का विस्तार प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) वितरण, पेंशन भुगतान, ऋण सुविधा, **बीमा और निवेश** उत्पादों तक किया है, जो विभिन्न संस्थानों के सहयोग से उपलब्ध कराए जाते हैं।
  - नई सेवाओं में डिजी स्मार्ट डिजिटल सेविंग्स अकाउंट, प्रीमियम आरोग्य सेविंग्स अकाउंट, आधार-आधारित चेहरा प्रमाणीकरण, रूपे वर्चुअल डेबिट कार्ड, AePS सक्षम भुगतान, अंतर्राष्ट्रीय प्रेषण और भारत बिल-पे एकीकरण शामिल हैं, जिन्होंने ग्राहकों की सुविधा को तथा बढ़ाया है।

पेमेंट्स बैंक

- **परिचय:**
  - पेमेंट्स बैंक एक विभेदित बैंक (Differentiated Bank) है, जो सीमित बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करता है।
  - डॉ. नचिकेत मोर समिति ने निम्न-आय वर्गों और छोटे व्यवसायों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये पेमेंट्स बैंक की स्थापना की सिफारिश की थी।
- **विशेषताएँ:**
  - यह केवल **बचत और चालू खातों में मांग जमा** स्वीकार कर सकता है, **सावधि जमा नहीं।**
  - प्रत्येक ग्राहक पेमेंट्स बैंक खाते में अधिकतम 2,00,000 रुपए की शेष राशि रख सकता है।
    - पेमेंट्स बैंक अनिवासी भारतीय (Non-Resident Indian-NRI) जमा स्वीकार नहीं कर सकते।
  - पेमेंट्स बैंक **गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवा गतिविधियाँ शुरू करने के लिये सहायक कंपनियाँ** स्थापित नहीं कर सकते हैं।

भारती पहल

चर्चा में क्यों?

कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) ने **भारती** (BHARATI) पहल शुरू की है, जो **कृषि-तकनीक और कृषि-खाद्य** स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य और दृष्टिकोण:**
  - **भारती** (BHARATI), जो भारत के कृषि प्रौद्योगिकी, लचीलापन, उन्नति और निर्यात सक्षमता के लिये **इनक्यूबेशन केंद्र** का संक्षिप्त रूप है, का उद्देश्य **कृषि-खाद्य** तथा **कृषि-तकनीक** क्षेत्रों के 100 स्टार्टअप्स को सशक्त बनाना है।
  - इस पहल का उद्देश्य **नवाचार में तेज़ी लाना** और नए निर्यात अवसर सृजित करना है, जिससे **वर्ष 2030** तक अनुसूचित उत्पादों के लिये **कृषि-खाद्य निर्यात** को 50 बिलियन डॉलर तक पहुँचाने के भारत के लक्ष्य का समर्थन मिलेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **प्रथम पायलट समूह:**
  - पहला समूह, जो **सितंबर 2025** में शुरू होगा, 100 स्टार्टअप्स पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिनमें उच्च मूल्य वाले **कृषि-खाद्य उत्पादकों** से लेकर **प्रौद्योगिकी-संचालित सेवा प्रदाता** और **नवप्रवर्तक** शामिल होंगे।
  - **एआई-आधारित गुणवत्ता नियंत्रण**, **ब्लॉकचेन ट्रेसेबिलिटी**, IoT-सक्षम कोल्ड चेन और **एग्री-फिनटेक** जैसी उन्नत तकनीकों पर काम करने वाले स्टार्टअप्स शामिल किये जाएंगे।
- **नवाचार के लिये प्रमुख क्षेत्र:**
  - **भारती** पहल उच्च मूल्य वाले कृषि-खाद्य श्रेणियों जैसे GI-टैग उत्पाद, जैविक खाद्य पदार्थ, **सुपरफूड**, **नवीन प्रसंस्कृत कृषि-खाद्य पदार्थ**, **पशुधन उत्पाद** और **आयुष उत्पादों** को लक्षित करेगी।
    - यह पहल **पैकेजिंग**, **स्थिरता** और **समुद्री खाद्य प्रोटोकॉल** को संबोधित करने वाले अभिनव समाधानों को भी प्रोत्साहित करेगी।
- **निर्यात संबंधी चुनौतियों का समाधान:**
  - यह पहल **उत्पाद विकास**, **गुणवत्ता आश्वासन**, शीघ्र नष्ट होने वाले उत्पादों, **अपव्यय** और **रसद** से संबंधित प्रमुख निर्यात चुनौतियों के समाधान पर ध्यान केंद्रित करेगी।
    - सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देकर यह **वैश्विक कृषि-खाद्य बाज़ार** में भारत की प्रतिस्पर्द्धात्मकता बढ़ाने के लिये **लागत प्रभावी समाधान** प्रदान करेगी।
- **सहयोगात्मक पारिस्थितिकी तंत्र और साझेदारी:**
  - यह पहल **राज्य कृषि बोर्डों**, **कृषि विश्वविद्यालयों**, **IIT** और **NIT** जैसे प्रमुख संस्थानों तथा उद्योग निकायों के साथ मिलकर स्टार्टअप्स को आकर्षित करने एवं समर्थन देने के लिये काम करेगी।
  - पारिस्थितिकी तंत्र को मज़बूत करने के लिये **मौजूदा त्वरणक** (Existing **accelerators**) का भी लाभ उठाया जाएगा।
- **स्टार्टअप्स को समर्थन:**
  - एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान **हितधारकों** को शामिल करेगा और **समाधान-उन्मुख स्टार्टअप्स** को आकर्षित करेगा।
  - स्टार्टअप्स को तीन महीने के **त्वरण कार्यक्रम** से गुजरना होगा, जिसमें **उत्पाद विकास**, **निर्यात तत्परता**, **विनियामक अनुपालन** और **बाज़ार पहुँच** पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- **सरकारी पहलों के साथ संरेखण:**
  - यह पहल भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल, डिजिटल इंडिया और स्टार्ट-अप इंडिया पहलों के साथ संरेखित है।

APEDA की स्थापना APEDA अधिनियम, 1985 के तहत की गई थी और इसे **अल्कोहलिक** तथा **गैर-अल्कोहलिक पेय पदार्थ**, **मांस एवं मांस उत्पाद**, **पुष्पकृषि उत्पाद** आदि जैसे उत्पादों के **निर्यात संवर्द्धन व विकास** की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है।

वैश्विक शांति सूचकांक (GPI)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में जारी वैश्विक शांति सूचकांक **2025 में भारत को 115वाँ स्थान मिला है, जबकि आइसलैंड** सबसे शांतिपूर्ण देश के रूप में **शीर्ष स्थान पर** बना हुआ है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **वैश्विक शांति सूचकांक के बारे में:**
  - इसे प्रतिवर्ष *इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस* द्वारा जारी किया जाता है। इसमें 23 संकेतकों के आधार पर देशों को रैंक प्रदान की जाती है, जिनमें सैन्यीकरण, बाह्य संघर्ष, हत्या और आतंकवाद जैसे संकेतक शामिल हैं।
  - वैश्विक शांति सूचकांक 2025 में 163 देशों का विश्लेषण किया गया, जो विश्व की 99.7% जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं।
  - इस सूचकांक के अनुसार, **राज्य-आधारित संघर्षों की संख्या द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुँच गई है** तथा वर्ष 2025 में नए संघर्ष भी उभरे हैं
- **रैंकिंग 2025:**
  - आइसलैंड, आयरलैंड तथा न्यूज़ीलैंड को विश्व के सर्वाधिक शांतिपूर्ण देशों में स्थान प्राप्त हुआ है। **आइसलैंड वर्ष 2008 से शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।**
  - रूस, यूक्रेन, सूडान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य तथा यमन को सबसे कम शांतिपूर्ण देशों में शामिल किया गया है।
  - **शीर्ष 10 में सिंगापुर एकमात्र एशियाई देश** है, जो अत्यधिक सैन्य व्यय के बावजूद उच्च सुरक्षा स्तर बनाए हुए है।
  - भारत को 115वाँ स्थान प्राप्त हुआ है (वर्ष 2024 में 116वाँ), जबकि पाकिस्तान 144वें स्थान पर है, जो दोनों देशों के बीच सुरक्षा स्तर में महत्त्वपूर्ण अंतर को दर्शाता है।
- **विश्व के 10 सर्वाधिक शांतिपूर्ण देश**

रैंक	देश	रैंक	देश
1	आइसलैंड	2	आयरलैंड
3	न्यूज़ीलैंड	4	ऑस्ट्रिया
5	स्विट्ज़रलैंड	6	सिंगापुर
7	पुर्तगाल	8	डेनमार्क
9	स्लोवेनिया	10	फिनलैंड

आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय

चर्चा में क्यों ?

भारत में आधुनिक रसायन विज्ञान के अग्रदूत **आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय** की **164वीं जयंती** पर विभिन्न स्मारक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय के बारे में:**

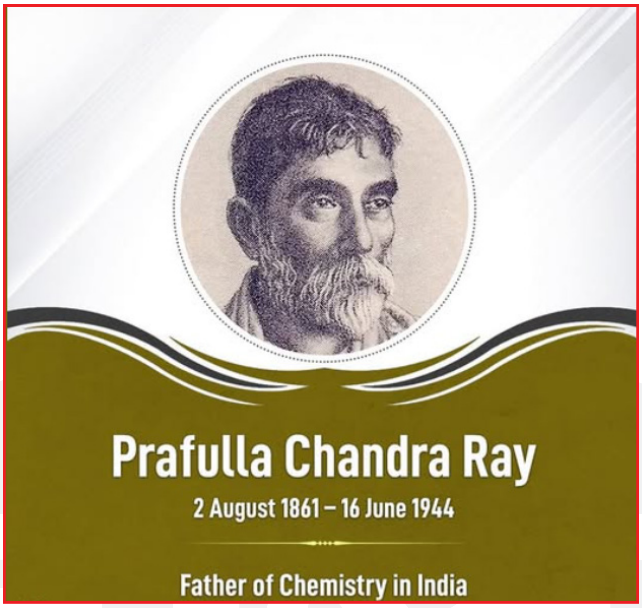

  - **प्रफुल्ल चंद्र राय (1861-1944)** एक प्रसिद्ध भारतीय **वैज्ञानिक और शिक्षक** थे तथा "आधुनिक" भारतीय रासायनिक शोधकर्त्ताओं में से एक थे। **इन्हें "भारतीय रसायन विज्ञान के जनक" के रूप** में जाना जाता है।
  - **मूल रूप से एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में प्रशिक्षित,** उन्होंने कई वर्षों तक कलकत्ता के प्रेसीडेंसी कॉलेज और फिर कलकत्ता विश्वविद्यालय में काम किया।
- **कार्य:**
  - उन्होंने वर्ष 1895 में स्थिर यौगिक **मर्क्यूरस नाइट्राइट** (Mercurous Nitrite) की खोज की।
  - एक कट्टर राष्ट्रवादी राय बंगाली उद्यम को आगे बढ़ाने के लिये प्रतिबद्ध थे और उन्होंने **वर्ष 1901 में बंगाल केमिकल एंड फार्मास्युटिकल वर्क्स** की स्थापना की।
  - राय वर्ष **1905 के स्वदेशी आंदोलन** के सक्रिय समर्थक थे और वे विदेशी वस्तुओं के प्रयोग को भारत के विरुद्ध राजद्रोह मानते थे।
  - वह एक सच्चे तर्कवादी थे और पूरी तरह से जाति व्यवस्था व अन्य तर्कहीन सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ थे। उन्होंने अपनी मृत्यु तक समाज सुधार के इस कार्य को जारी रखा।
- **पुरस्कार एवं सम्मान:**
  - ब्रिटिश सरकार द्वारा सम्मानित, उन्हें **भारतीय साम्राज्य का साथी (Companion of the Indian Empire- CIE)** की तथा उसके बाद वर्ष 1919 में नाइटहुड की उपाधि दी गई।
  - **वर्ष 1920 में उन्हें भारतीय विज्ञान कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया।**
  - **2 अगस्त, 1961** को उनकी जयंती मनाने के लिये **भारतीय डाक** द्वारा उन पर एक डाक टिकट जारी किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

यूएस ओपन 2025

चर्चा में क्यों ?

18 अगस्त से 7 सितंबर, 2025 तक **न्यूयॉर्क** के **USTA बिली जीन किंग नेशनल टेनिस सेंटर** में आयोजित **यूएस ओपन 2025**, एकल और युगल श्रेणियों में महत्त्वपूर्ण जीत के साथ संपन्न हुआ।

इस टूर्नामेंट में प्रत्येक एकल विजेता के लिये **5 मिलियन डॉलर** की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि रखी गई थी, जो पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में समान थी।

मुख्य बिंदु

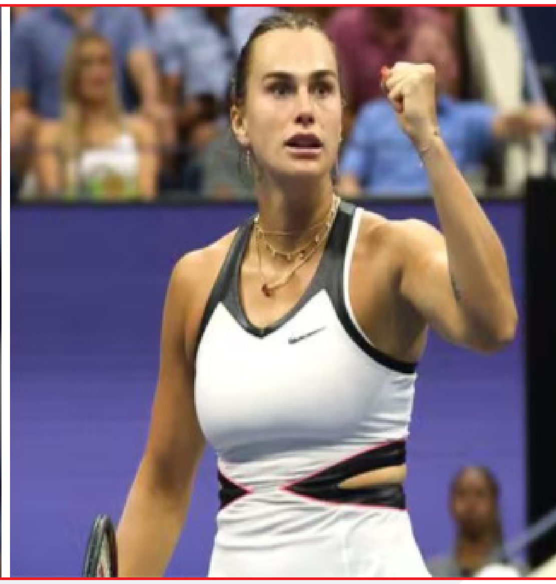

- **पुरुष एकल विजेता:** कार्लोस अल्काराज़ (स्पेन) ने जैनिक सिनर (इटली) को हराकर अपना दूसरा **अमेरिकी ओपन** और कुल मिलाकर छठा **ग्रैंड स्लैम** खिताब अर्जित किया।
- **महिला एकल विजेता:** आर्यना सबालेंका (बेलारूस) ने अमांडा अनिसिमोवा (अमेरिका) को हराकर अपना खिताब बरकरार रखा और **WTA रैंकिंग** में शीर्ष पर अपनी स्थिति सुदृढ़ की।
- **पुरुष युगल विजेता:** मार्सेल ग्रैनोलर्स (स्पेन) और होरासियो ज़ेबालोस (अर्जेंटीना) ने फाइनल में जो सैलिसबरी और नील स्कूप्स्की (यूनाइटेड किंगडम) को हराकर खिताब जीता।
- **महिला युगल विजेता:** गैब्रिएला डाब्रोव्स्की (कनाडा) और एरिन रूटलिफ़ (न्यूज़ीलैंड) ने कैटरीना सिनियाकोवा (चेक गणराज्य) तथा टेलर टाउनसेंड (USA) को हराया।
- **मिश्रित युगल विजेता:** सारा इरानी और एंड्रिया वावसोरी (इटली) ने इगा स्वीटेक (पोलैंड) तथा कैस्पर रूड (नॉर्वे) को हराकर मिश्रित युगल का खिताब जीता।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

ग्रैंड स्लैम

- इसका अर्थ है कि एक ही कैलेंडर वर्ष में सभी चार प्रमुख टेनिस चैंपियनशिप जीतना: **ऑस्ट्रेलिया, फ्राँस, ब्रिटेन (विंबलडन) और अमेरिका।**
- यह उपलब्धि अब तक **5 अलग-अलग खिलाड़ियों द्वारा 6 बार** हासिल की गई है।
- **डॉन बज** टेनिस में ग्रैंड स्लैम हासिल करने वाले प्रथम खिलाड़ी थे, जिन्होंने वर्ष 1938 में सभी चार प्रमुख चैंपियनशिप जीती थीं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

8 सितंबर 2025 को, विश्व में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया, जिसमें **मानव प्रगति और परिवर्तन के सशक्त साधन** के रूप में पढ़ने तथा लिखने की क्षमता पर प्रकाश डाला गया।

मुख्य बिंदु

- **उत्पत्ति:**
  - अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की उत्पत्ति वर्ष **1965 में तेहरान (ईरान) में आयोजित 'शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन'** से मानी जाती है, जिसका मुख्य उद्देश्य निरक्षरता का उन्मूलन था।
  - इसी सम्मेलन से एक ऐसे दिवस की परिकल्पना की गई जो वैश्विक स्तर पर साक्षरता को बढ़ावा देने के लिये समर्पित हो।
  - यूनेस्को ने वर्ष **1966 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की घोषणा** की तथा इसे पहली बार **8 सितंबर 1967** को मनाया गया। तब से यह प्रतिवर्ष मनाया जाता है, ताकि साक्षरता की परिवर्तनकारी क्षमता को वैश्विक स्तर पर रेखांकित किया जा सके।
- **विषय 2025: "डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना।"**
- **डिजिटल साक्षरता**
  - डिजिटल साक्षरता का आशय **ऑनलाइन सामग्री तक पहुँचने, उसका मूल्यांकन करने, सृजन एवं संप्रेषण करने की क्षमता** से है।
  - इसमें **आलोचनात्मक चिंतन (Critical Thinking) विकसित करना, विश्वसनीय सूचना की पहचान करना तथा जटिल डिजिटल वातावरण में सुरक्षित रूप से मार्गदर्शन** करना शामिल है, जिससे यह आज एक आवश्यक कौशल बन गया है।
- **साक्षरता**
  - राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (NSS) के अनुसार, साक्षरता का अर्थ किसी भी भाषा में साधारण संदेश को पढ़ने, लिखने और समझने की क्षमता से है।
  - **"सार्वभौमिक"** शब्द का तात्पर्य सामान्यत: पूर्ण या लगभग पूर्ण कवरेज से है, जो आमतौर पर 100% के निकट होता है।
  - यूनेस्को साक्षरता को केवल पढ़ने, लिखने और गिनने की क्षमता तक सीमित नहीं मानता, बल्कि इसे एक निरंतर विकसित होने वाला कौशल मानता है, जिसमें **पहचानना, समझना** तथा **संप्रेषण करना** शामिल है।
    - आधुनिक संदर्भ में यह डिजिटल, मीडिया तथा रोज़गार-विशेष कौशलों तक विस्तारित हो चुका है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **साक्षरता बढ़ाने हेतु सरकारी रणनीतियाँ:**
  - उल्लास ((समाज में सभी के लिये आजीवन शिक्षा को समझना)
  - राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020
  - नव भारत साक्षरता कार्यक्रम
  - प्रौद्योगिकी संवर्द्धित अधिगम पर राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPTEL)
  - **सर्व शिक्षा अभियान प्रज्ञाता**
  - राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (NLM)

ब्लड मून

चर्चा में क्यों?

8 सितंबर 2025 को **एशिया, ऑस्ट्रेलिया तथा अफ्रीका** के कुछ क्षेत्रों में ***ब्लड मून*** (पूर्ण चंद्र ग्रहण) देखा गया, जिसमें पृथ्वी की छाया ने चंद्रमा को गहरे लाल रंग में परिवर्तित कर दिया।

- यह मार्च 2025 के बाद वर्ष का दूसरा पूर्ण चंद्र ग्रहण था, जो 82 मिनट की पूर्णता के साथ पाँच घंटे से अधिक समय तक चला।
- सूर्य ग्रहण के विपरीत, चंद्र ग्रहण को नंगी आँखों से देखना सुरक्षित है।

मुख्य बिंदु

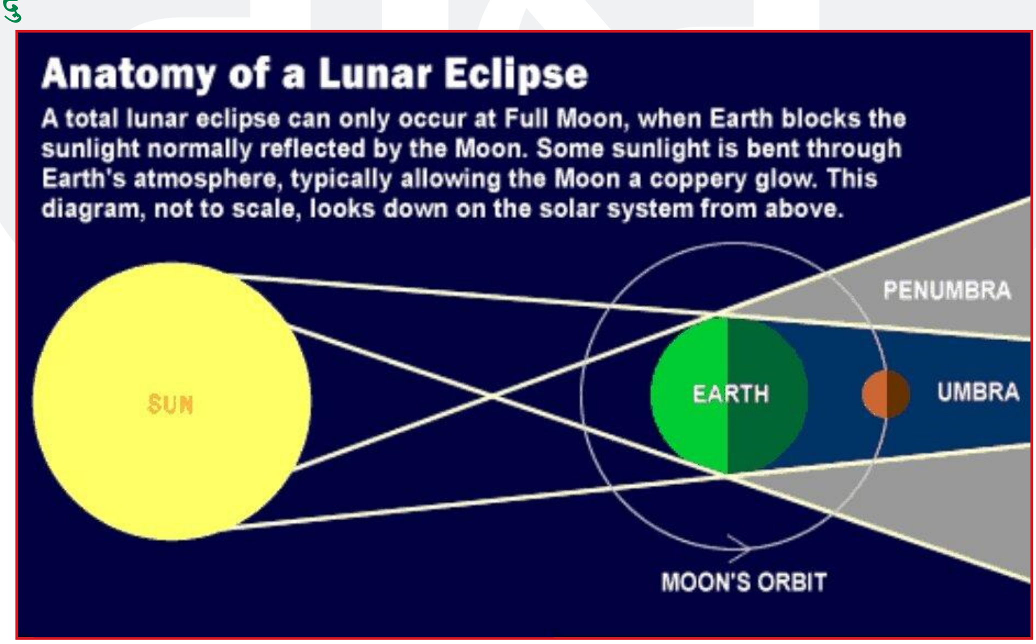

- **चंद्र ग्रहण:** चंद्र ग्रहण तब घटित होता है जब सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा एक सीधी रेखा में आ जाते हैं तथा पृथ्वी बीच में स्थित होती है। इससे सूर्य का प्रकाश सीधे चंद्रमा तक नहीं पहुँच पाता।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **पूर्ण चंद्र ग्रहण:** जब चंद्रमा पृथ्वी की आंतरिक और सबसे गहन छाया (*Umbra*) से होकर गुजरता है, तो वह गहरे धुंधले अथवा लाल रंग का प्रतीत होता है।
- **आंशिक ग्रहण:** जब चंद्रमा का केवल कुछ भाग **प्रतिछाया** से होकर गुजरता है।
- **अर्द्धछाया ग्रहण:** जब चंद्रमा केवल पृथ्वी की **बाहरी छाया (पेनम्ब्रा)** में प्रवेश करता है। इसमें प्रकाश का मंद पड़ना बहुत सूक्ष्म होता है और प्राय: स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देता।

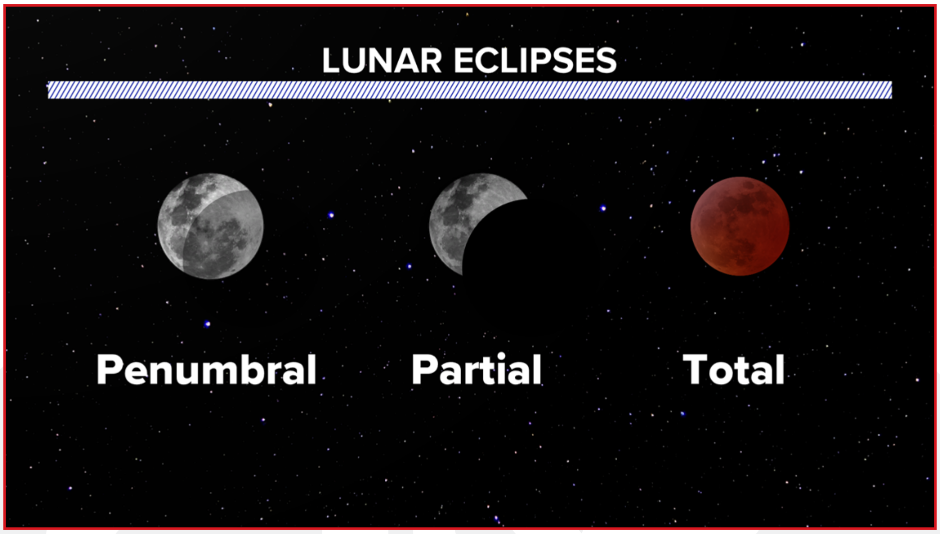

- **"ब्लड मून" प्रभाव:**
  - ब्लड मून प्रभाव इसलिये होता है क्योंकि पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य के प्रकाश को चंद्रमा तक पहुँचने से पहले ही अवरुद्ध कर देता है। जब प्रकाश वायुमंडल से होकर गुजरता है, तो
    - नीला प्रकाश सरलता से विसरित जाता है (इसी कारण आकाश नीला दिखाई देता है)।
    - लाल प्रकाश पृथ्वी के चारों ओर मुड़कर चंद्रमा तक पहुँचता है, जिससे पूर्ण ग्रहण के दौरान चंद्रमा लाल अथवा ताँबे के रंग का हो जाता है।
      - **चमकदार लाल चंद्रमा शुद्ध एवं कम प्रदूषित वायु का सूचक है।**
      - गहरा लाल चंद्रमा वायु में अधिक धूल, राख अथवा प्रदूषण की उपस्थिति को दर्शाता है।
- **वैज्ञानिक संबंध**
  - **ब्लड मून** की घटना के पीछे वही प्रक्रिया कार्य करती है, जो आकाश तथा सूर्यास्त को रंग प्रदान करती है: **रेले *प्रकीर्णन*** (*Rayleigh Scattering*), जिसकी व्याख्या भौतिक विज्ञानी *जॉन विलियम स्ट्रट, तृतीय बैरन रेले* ने की थी।
  - **दिवाकालीन आकाश:** कम तरंग दैर्ध्य वाली नीली रोशनी सभी दिशाओं में प्रकीर्णित हो जाती है, जिसके कारण आकाश नीला दिखाई देता है।
  - **सूर्योदय और सूर्यास्त:** इस समय सूर्य का प्रकाश वायुमंडल की मोटी परतों से होकर गुजरता है, जिससे नीला प्रकाश **प्रकीर्णित** होकर नष्ट हो जाता है। परिणामस्वरूप लंबी तरंग दैर्ध्य वाला प्रकाश (लाल, नारंगी और पीला) आकाश को रंग प्रदान करता है।
    - **चंद्र ग्रहण के समय**, चंद्रमा पृथ्वी के वायुमंडल से होकर गुज़रती सारी सूर्यास्त की किरणों में घिरा प्रतीत होता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

विश्व ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार के **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय** के अंतर्गत दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग (DEPwD) प्रत्येक वर्ष **7 सितंबर को *विश्व ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस*** मनाता है।

मुख्य बिंदु

- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2024 से प्रत्येक **7 सितंबर को विश्व ड्युशेन जागरूकता दिवस** के रूप में नामित किया।
- इस दिवस का उद्देश्य प्रभावित व्यक्तियों एवं परिवारों के प्रति वैश्विक **एकजुटता, सहानुभूति और जागरूकता** को बढ़ावा देना है।
- **थीम:** वर्ष 2025 की थीम ***"परिवार: देखभाल का केंद्र"*** है।
  - यह थीम DMD प्रभावित व्यक्तियों के लिये परिवारों की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर देती है।
  - यह प्रेम, सहयोग और धैर्य के साथ-साथ समावेशन, जागरूकता एवं सामुदायिक सहयोग को भी रेखांकित करती है।

ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (DMD)

- DMD एक **दुर्लभ और प्रगतिशील** आनुवंशिक विकार है, जो ***एक्स गुणसूत्र*** में उत्परिवर्तन के कारण होता है। इसके चलते मांसपेशियों की रक्षा करने वाले प्रोटीन **डिस्ट्रोफिन** का उत्पादन नहीं हो पाता।
- इस रोग का नाम ***डॉ. ड्यूशेन डी बोलोग्ने*** के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने 1860 के दशक में इसका विस्तार से वर्णन किया था।
- यह मुख्यत: **पुरुषों को प्रभावित** करता है क्योंकि उनके पास केवल एक X गुणसूत्र होता है।
- **लक्षण:**
  - प्रारंभिक अवस्था में चलने-फिरने में कठिनाई।
  - धीरे-धीरे गतिशील क्रियाओं की शक्ति क्षीण होती जाती है।
  - समय के साथ श्वसन क्षमता प्रभावित होती है और हृदय (जो स्वयं एक मांसपेशी है) पर भी प्रभाव पड़ता है।
- **मस्तिष्क पर प्रभाव:** डिस्ट्रोफिन मस्तिष्क की कार्यप्रणाली में भी भूमिका निभाता है, जिसके कारण प्रभावित बच्चों में **सीखने और व्यवहार संबंधी चुनौतियाँ** उत्पन्न हो सकती हैं।
- **निदान:** विश्व स्तर पर DMD का निदान प्राय: **4 वर्ष की आयु के बाद** होता है। हालाँकि, माता-पिता लक्षण पहले ही पहचान लेते हैं, लेकिन औसतन **2.5 वर्ष की देरी** से निदान होता है। कुछ लक्षण अत्यंत छोटे बच्चों में भी दिखाई देने लगते हैं।

ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में आयोजित ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा **ज्ञान भारतम पोर्टल** लॉन्च किया।

- यह एक समर्पित **डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म** है, जिसका उद्देश्य भारत की विशाल पांडुलिपि विरासत के डिजिटलीकरण, संरक्षण और सार्वजनिक पहुँच को बढ़ावा देना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

ज्ञान भारतम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- **उद्देश्य:** सम्मेलन का उद्देश्य भारत की **पांडुलिपि विरासत** को पुनर्जीवित करना तथा उसे वैश्विक ज्ञान विमर्श के केंद्र में स्थापित करना था।
- **आयोजन अवधि:** यह तीन दिवसीय सम्मेलन 11 से 13 सितंबर, 2025 तक आयोजित हुआ, जिसका विषय था "**पांडुलिपि विरासत के माध्यम से भारत की ज्ञान विरासत को पुन: प्राप्त करना**", जो **दिल्ली घोषणा-पत्र** को अपनाने के साथ संपन्न हुआ।
  - यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन स्वामी विवेकानंद के वर्ष 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद में दिये गये ऐतिहासिक भाषण की 132वीं वर्षगाँठ के अवसर पर आयोजित हुआ।
- सम्मेलन में दुर्लभ पांडुलिपियों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई, साथ ही संरक्षण और डिजिटलीकरण पर विद्वानों की प्रस्तुतियाँ भी दी गईं।
- **मुख्य विषय:** कार्यकारी समूहों ने प्राचीन लिपियों की व्याख्या, सर्वेक्षण और दस्तावेज़ीकरण, डिजिटलीकरण उपकरण, संरक्षण तथा पुनर्स्थापन तथा कानूनी एवं **नैतिक मुद्दों** जैसे विषयों पर चर्चा की।

ज्ञान भारतम परियोजना

- ज्ञान भारतम मिशन के रूप में आरंभ की गई यह पहल, संस्कृति मंत्रालय के अधीन रहेगी तथा इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थापित होगा।
- **उद्देश्य:** एक ऐसे संस्थान की स्थापना करना, जो भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) की तरह कार्य करे, किंतु लक्ष्य **पांडुलिपियों के संरक्षण और व्याख्या** पर हो।
  - इसका उद्देश्य एक करोड़ से अधिक पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण करना तथा निर्बाध समन्वय के लिये सभी राज्यों में क्षेत्रीय केंद्र स्थापित करना भी है।।
- **प्रतिस्थापन:** ज्ञान भारतम, वर्ष 2003 में शुरू किये गये **राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन** का स्थान लेगा, ताकि भारत में पांडुलिपि संरक्षण को संस्थागत और सतत ढाँचा प्रदान किया जा सके।
- **वित्तपोषण:** वर्ष 2025-26 के केंद्रीय बजट में घोषित इस परियोजना के लिये प्रारंभिक निधि **400 करोड़ रुपये** आवंटित की गई है।

IIM अहमदाबाद ने पहला विदेशी कैंपस खोला

चर्चा में क्यों?

दुबई के क्राउन प्रिंस **शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम** ने दुबई इंटरनेशनल एकेडमिक सिटी (DIAC) में भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद (IIM-A) के पहले **विदेशी कैंपस** का उद्घाटन किया।

- एक अन्य पहल में, भारत के केंद्रीय शिक्षा मंत्री **धर्मेंद्र प्रधान** ने **IIT दिल्ली अबू धाबी** में अटल इनक्यूबेशन सेंटर (AIC) का उद्घाटन किया, जो किसी भारतीय संस्थान द्वारा आयोजित पहला विदेशी AIC है।

मुख्य बिंदु

- **कैंपस के बारे में:**
  - **IIM-A दुबई** कार्यरत पेशेवरों और उद्यमियों के लिये पूर्णकालिक **एक वर्षीय** MBA के साथ **सितंबर** के अंत तक अपनी शैक्षणिक गतिविधियाँ आरंभ कर देगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- भारत के केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने भारतीय संस्थानों जैसे **मणिपाल विश्वविद्यालय, सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय, BITS पिलानी और एमिटी विश्वविद्यालय,** जिन्होंने दुबई में अपने कैंपस स्थापित किये हैं के अधिकारियों के साथ एक **गोलमेज चर्चा** भी की तथा शोध को कागज़ों से उत्पादों तक ले जाने की आवश्यकता को रेखांकित किया।
- उन्होंने UAE में 109 भारतीय स्कूलों के प्रधानाचार्यों के साथ भी संवाद किया (अन्य वर्चुअली जुड़े) और घोषणा की कि 12 UAE स्कूलों में अटल टिंकरिंग लैब्स (ATLs) स्थापित की जाएंगी ताकि छात्रों में नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके।

अटल इनोवेशन मिशन (AIM):

- यह भारत सरकार की पहल है, जिसका उद्देश्य नवाचार और उद्यमशीलता की संस्कृति को प्रोत्साहित करना है।
- AIM के मुख्य उद्देश्यों के तहत नए **अटल इनक्यूबेशन सेंटर (AICs)** स्थापित किये जाते हैं, जो नवोन्मेषी स्टार्ट-अप को विस्तार योग्य और **सतत् उद्यम** बनने में समर्थन देते हैं।
- **अटल टिंकरिंग लैब्स (ATLs)** स्कूलों में (कक्षा 6-12) छात्रों में **नवाचार को बढ़ावा देने** के लिये 3D प्रिंटिंग जैसे उपकरणों का उपयोग करती हैं।

विनोबा भावे जयंती

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आचार्य विनोबा भावे की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भारत के **आध्यात्मिक, सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में उनके अद्वितीय योगदान** को रेखांकित किया।

मुख्य बिंदु

- **आचार्य विनोबा भावे के बारे में:**

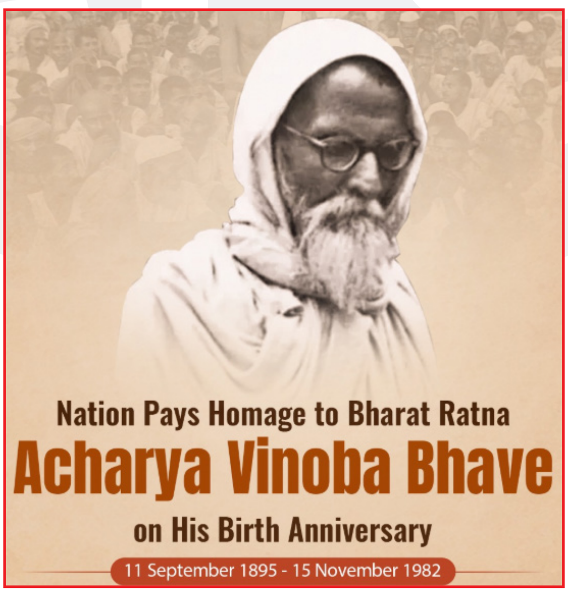

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **विनायक नरहरि भावे** का जन्म 11 सितंबर, 1895 को गागोडे, बॉम्बे प्रेसीडेंसी (वर्तमान महाराष्ट्र) में हुआ था।
- वह एक **स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और आध्यात्मिक शिक्षक** थे, जो **महात्मा गांधी** के अहिंसा तथा समानता के सिद्धांतों से बहुत प्रभावित थे।

पुरस्कार एवं सम्मान:

- विनोबा भावे वर्ष 1958 में **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार** प्राप्त करने वाले पहले भारतीय थे, जिन्हें यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिला।
- उन्हें वर्ष 1983 में मरणोपरांत **भारत रत्न** (भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार) से भी सम्मानित किया गया था।

गांधी के साथ जुड़ाव:

- विनोबा भावे ने 7 जून, 1916 को गांधी से मुलाकात की और आश्रम में निवास किया।
- आश्रम के एक सदस्य मामा फड़के ने उन्हें विनोबा (एक पारंपरिक मराठी विशेषण जो महान सम्मान का प्रतीक है) नाम दिया था।
- 8 अप्रैल, 1921 को विनोबा भावे, गांधी के निर्देशों के तहत वर्धा में एक **गांधी-आश्रम का प्रभार** लेने के लिये गए।
  - वर्धा में अपने प्रवास के दौरान वर्ष 1923 में उन्होंने मराठी में एक मासिक '**महाराष्ट्र धर्म**' का प्रकाशन किया, जिसमें उपनिषदों पर उनके निबंध प्रकाशित किये गए थे।

स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:

- उन्होंने **असहयोग आंदोलन** के कार्यक्रमों में भाग लिया और विशेष रूप से आयातित विदेशी वस्तुओं के स्थान पर स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग का आह्वान किया।
- वर्ष 1940 में उन्हें भारत में गांधीजी द्वारा ब्रिटिश राज के खिलाफ **पहले व्यक्तिगत सत्याग्रही** (सामूहिक कार्रवाई के बजाय सत्य के लिये खड़े होने वाले व्यक्ति) के रूप में चुना गया था।
- उन्हें आचार्य (शिक्षक) की सम्मानित उपाधि दी गई थी।

भूदान आंदोलन:

- वर्ष 1951 में विनोबा भावे ने तेलंगाना के हिंसाग्रस्त क्षेत्र से पैदल अपनी शांति यात्रा शुरू की।
- वर्ष 1951 में **तेलंगाना के पोचमपल्ली (Pochampalli) गाँव के** हरिजनों ने उनसे जीविकोपार्जन के लिये लगभग 80 एकड़ भूमि प्रदान कराने का अनुरोध किया।
- विनोबा ने गाँव के **जमींदारों को आगे आने और हरिजनों को संरक्षित करने के लिये कहा।**
  - उसके बाद एक ज़मींदार ने आगे बढ़कर आवश्यक भूमि प्रदान करने की पेशकश की।
  - यह भूदान (भूमि का उपहार) आंदोलन की शुरुआत थी।
- यह आंदोलन 13 वर्षों तक जारी रहा और इस दौरान विनोबा भावे ने देश के विभिन्न हिस्सों (कुल 58,741 किलोमीटर की दूरी) का भ्रमण किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

- वह लगभग **44 लाख एकड़ भूमि** एकत्र करने में सफल रहे, जिसमें से लगभग **13 लाख एकड़** भूमि को गरीब, भूमिहीन किसानों के बीच वितरित किया गया।
- **साहित्यक रचना:**
  - उनकी महत्त्वपूर्ण पुस्तकों में **स्वराज्य शास्त्र, गीता प्रवचन और तीसरी शक्ति** आदि शामिल हैं।

ग्रीन हाइड्रोजन अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री **श्री प्रल्हाद जोशी** ने **नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE)** द्वारा आयोजित **प्रथम वार्षिक** ग्रीन हाइड्रोजन अनुसंधान एवं विकास सम्मेलन का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **सम्मेलन के बारे में:**
  - **यह सम्मेलन** 11 से 12 सितंबर, 2025 को **नई दिल्ली** में आयोजित किया गया, जिसमें **विशेषज्ञ सत्र, इंटरैक्टिव गोलमेज बैठकें** और भारत की हरित ऊर्जा क्रांति को आगे बढ़ाने वाली **25 अग्रणी कंपनियों** के साथ एक **स्टार्ट-अप एक्सपो** शामिल था।
  - इस कार्यक्रम में **25** स्टार्ट-अप्स ने **इलेक्ट्रोलाइजर निर्माण**, AI-संचालित अनुकूलन और **जैविक हाइड्रोजन समाधान** के क्षेत्र में अपनी सफलताओं का प्रदर्शन किया।
    - **हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों** में नवाचार को बढ़ावा देने वाले स्टार्ट-अप्स का समर्थन करने के लिये 100 **करोड़ रुपये के प्रस्ताव आमंत्रण (Call for Proposals)** भी जारी किये गए।
  - इस योजना के तहत प्रत्येक परियोजना को **5 करोड़ रुपये तक** की राशि प्रदान की जाएगी, जो हाइड्रोजन के **उत्पादन, भंडारण, परिवहन और उपयोग** से संबंधित पायलट पहल के लिये प्रयोग की जा सकेगी।

भारत का ग्रीन हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र

- **बंदरगाह:** तमिलनाडु के **वी.ओ. चिदंबरनार बंदरगाह** पर भारत की पहली बंदरगाह-आधारित पायलट परियोजना।
- **इस्पात: हाइड्रोजन-चालित डीकार्बोनाइजेशन** को प्रदर्शित करने वाली **पाँच पायलट परियोजनाएँ**।
- **शिपिंग: तूतीकोरिन बंदरगाह** पर **रेट्रोफिटेड जहाज** और **ईंधन भरने की सुविधाएँ**।
- **परिवहन: हाइड्रोजन बसें** और **ईंधन भरने वाले स्टेशन** कार्यरत हैं।
- **उर्वरक:** पहली बार **हरित अमोनिया नीलामी** में **रिकॉर्ड निम्न मूल्य** का खुलासा हुआ, जिसकी आपूर्ति **ओडिशा के पारादीप फॉस्फेट्स** से शुरू हुई।
- **हाइड्रोजन हब: कांडला, पारादीप और तूतीकोरिन बंदरगाहों** पर **समर्पित हाइड्रोजन हब** का विकास किया जा रहा है।
- **मिशन:** राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन (NGHM) **वर्ष 2023** में **19,744 करोड़** रुपये के **परिव्यय** के साथ शुरू किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन (National Green Hydrogen Mission-NGHM)

नोडल मंत्रालय

- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

NGHM के घटक

- **ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांजिशन प्रोग्राम के लिये रणनीतिक क्रियाकलाप (SIGHT)**
- रणनीतिक हाइड्रोजन नवाचार भागीदारी (SHIP) (अनुसंधान एवं विकास के लिये सार्वजनिक-निजी भागीदारी)

GH2 वर्तमान में व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य नहीं है; भारत में वर्तमान लागत लगभग 350-400/किग्रा है।
राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन का लक्ष्य इसे 100/किग्रा के नीचे लाना है।

उद्देश्य

- ऊर्जा/उद्योग/मोबिलिटी क्षेत्र को डीकार्बोनाइज (कार्बन मुक्त) करना
- स्वदेशी निर्माण क्षमता विकसित करना
- GH2 और इसके व्युत्पन्नों के लिये निर्यात के अवसर सृजित करना

वर्ष 2030 तक अपेक्षित परिणाम

- प्रति वर्ष कम-से-कम 5 MMT (मिलियन मीट्रिक टन) हरित हाइड्रोजन (GH2) का उत्पादन
- जीवाश्म ईंधन के आयात में एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की बचत
- छह लाख से अधिक रोजगार
- वार्षिक CO2 उत्सर्जन में लगभग 50 MMT की कमी
- ₹ 8 लाख करोड़ से अधिक का कुल निवेश

हाइड्रोजन तथा हरित हाइड्रोजन

- हाइड्रोजन प्रकृति में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्त्व है लेकिन यह अन्य तत्त्वों के साथ संयोजन में ही मौजूद होता है। इसे प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले यौगिकों (जैसे जल) से अलग किया जाता है।
- अक्षय/नवीकरणीय ऊर्जा (RE) द्वारा संचालित विद्युत अपघटनी/इलेक्ट्रोलाइजर का उपयोग करके इलेक्ट्रोलिसिस/विद्युत अपघटन नामक विद्युत प्रक्रिया के माध्यम से जल के विभाजन द्वारा ग्रीन हाइड्रोजन (GH2) बनाया जाता है।

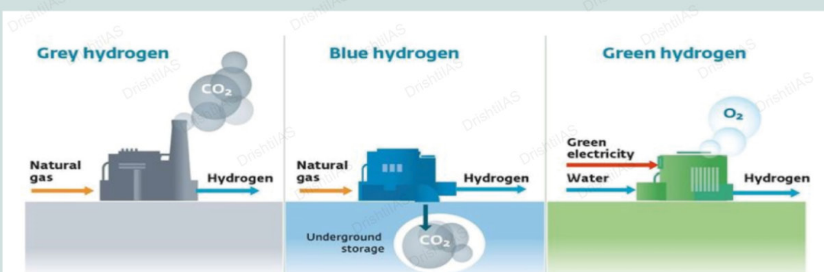

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप 2025

चर्चा में क्यों ?

लिवरपूल में आयोजित महिला विश्व मुक्केबाज़ी चैंपियनशिप 2025 में भारतीय मुक्केबाज़ **जैस्मीन लंबोरिया** ने पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता **जूलिया जेरेमेटा** को हराकर **फेदरवेट (57 किग्रा)** का **खिताब** हासिल किया।

- उनके साथ, **मीनाक्षी हुड्डा** ने भी 48 किग्रा में **स्वर्ण पदक** जीता, जो विदेश में आयोजित **विश्व चैंपियनशिप** में भारत का अब तक का **सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन** है।

मुख्य बिंदु

- **जैस्मीन लंबोरिया:**
  - उन्होंने अपने तीसरे विश्व चैंपियनशिप में पोलैंड की **जूलिया सेरेमेटा** को 4-1 से हराकर अपना **पहला पदक** जीता है और विश्व खिताब जीतने वाली वह **नौवीं भारतीय मुक्केबाज़** बन गई हैं।
  - वह छह बार की विजेता **मैरी कॉम** (वर्ष 2002, 2005, 2006, 2008, 2010 और 2018), दो बार की विजेता **निखत ज़रीन** (2022 और 2023), **सरिता देवी** (2006), **जेनी आरएल** (2006), **लेखा केसी** (2006), **नितु घनघास** (2023), **लवलीना बोर्गोहेन** (2023) और **स्वीटी बूड़ा** (2023) की प्रतिष्ठित सूची में शामिल हो गईं।
  - उन्होंने पैरिस ओलंपिक (2024) में पहले दौर से बाहर होने के निराशा को पीछे छोड़ते हुए यह सफलता प्राप्त की।
  - इससे पूर्व, उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप (2021) में **कांस्य पदक**, राष्ट्रमंडल खेलों (2022) में **पदक** और **वर्ल्ड कप 2024, अस्ताना में स्वर्ण पदक** जीता था।
- **मीनाक्षी हुड्डा की जीत:**
  - मीनाक्षी ने जुलाई, 2025 में हुई अपनी अस्ताना वर्ल्ड कप हार का बदला लेते हुए महिला 48 किग्रा फाइनल (गैर-ओलंपिक श्रेणी) में **स्वर्ण पदक जीता**।
  - उन्होंने कज़ाखस्तान की तीन बार की विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक की **कांस्य पदक** विजेता **नाज़िम काइज़ेबे** को हराया।
    - उन्होंने इससे पहले वर्ष 2022 में 52 किग्रा में **एशियाई रजत पदक जीता** था।
- **अन्य पदक विजेता:**
  - **नूपुर श्योराण (+80 किग्रा):** पोलैंड की **अगाता काकज़मरस्का** को मात्र 2-3 के अंतर से हारकर **रजत पदक जीता**।
  - **पूजा रानी (80 किग्रा):** सेमीफाइनल में इंग्लैंड की **एमिली एस्क्विथ** को हराकर **कांस्य पदक जीता** ।
- **महत्त्व:** भारत ने विश्व चैंपियनशिप में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिसमें दो स्वर्ण, एक रजत और एक **कांस्य** पदक जीतकर महिला मुक्केबाज़ी में अपनी स्थिति को तथा **सुदृढ़** किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

महिला हॉकी एशिया कप 2025

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री ने महिला एशिया कप 2025 में **उत्कृष्ट प्रदर्शन** के लिये भारतीय महिला हॉकी टीम को **बधाई** दी, जिन्होंने **रजत पदक** जीतकर देश का मान बढ़ाया।

मुख्य बिंदु

- **महिला एशिया कप के विषय में:**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- चीन की महिला हॉकी टीम ने हांग्जो में आयोजित **एशिया कप 2025** के फाइनल में भारत को 4-1 से हराकर जीत हासिल की।
  - इस जीत के साथ, चीन ने **बेल्जियम** और **नीदरलैंड** में आयोजित होने वाले **हॉकी विश्व कप 2026** के लिये क्वालीफाई कर लिया।
- यह चीन का तीसरा **एशिया कप खिताब** है; इससे पहले वह वर्ष 1989 (हॉन्गकॉन्ग) और वर्ष 2009 (बैंकॉक) में विजेता रह चुका है।
- **इस एशिया कप में भारत** ने **रजत पदक** तथा **जापान** ने **कांस्य पदक** जीता।
- हालाँकि भारत को अब **हॉकी विश्व कप 2026** में अपना स्थान सुरक्षित करने के लिये **विश्व कप क्वालीफायर** से गुज़रना होगा।
- **भारत का पूर्व प्रदर्शन:**
  - **टोक्यो ओलंपिक 2020:** चौथे स्थान पर समापन।
  - **पेरिस ओलंपिक 2024:** अर्हता प्राप्त करने में असफल।
  - **प्रो लीग:** संघर्षपूर्ण प्रदर्शन, अंतिम स्थान पर रहकर निम्न रैंक मिली।
  - **एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024:** विजेता

राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन- रबी अभियान 2025

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा पूसा, नई दिल्ली में दो दिवसीय '**राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन- रबी अभियान 2025**' का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य बिंदु

- **सम्मेलन के बारे में:**
  - यह पहली बार है जब केंद्रीय कृषि मंत्री **शिवराज सिंह चौहान** की पहल पर रबी सम्मेलन दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जा रहा है।
  - **थीम:** सम्मेलन की थीम '**वन नेशन - वन एग्रीकल्चर - वन टीम**' है, जिसका उद्देश्य भारत के कृषि क्षेत्र में **समन्वित प्रयासों और साझेदारियों** को बढ़ावा देना है।
- **उद्देश्य:**
  - सम्मेलन का मुख्य लक्ष्य रबी सीज़न 2025-26 के लिये **तैयारियों, उत्पादन लक्ष्यों और रणनीतियों** पर विचार-विमर्श करना है, ताकि आगामी कृषि सीज़न के लिये व्यापक योजना सुनिश्चित हो सके।
  - भारत की कृषि वृद्धि दर वर्तमान में **3.7%** है, जो वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक है। इसका श्रेय **किसानों, वैज्ञानिकों और सरकार की किसान-हितैषी नीतियों** के संयुक्त प्रयासों को दिया जाता है।
- **लक्षित क्षेत्र:**
  - कृषि विस्तार कार्य के महत्त्व पर ज़ोर दिया जाएगा तथा ज़मीनी स्तर की **रणनीतियों में सुधार** के लिये केंद्र सरकार, राज्य कृषि विभागों, कृषि विश्वविद्यालयों और अन्य संबंधित संस्थानों द्वारा **संयुक्त कार्यक्रमों** का आह्वान किया जाएगा।
  - मंत्री ने **नकली उर्वरक, बीज और कीटनाशक** बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा किसानों के हितों की रक्षा हेतु केवल मानक **जैव-उत्तेजक उत्पाद** की बिक्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **मौसम पूर्वानुमान और फसल बीमा:**
  - मौसम की संरचना में बढ़ती अनिश्चितता को देखते हुए फसल बीमा कवरेज का विस्तार किया जाना आवश्यक है, विशेषकर किसानों को राहत सुनिश्चित करने के लिये **प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना** पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिये।
- **भावी कृषि अनुसंधान:**
  - भविष्य के कृषि अनुसंधान का ध्यान किसानों की वास्तविक समस्याओं को हल करने पर होना चाहिये, न कि केवल सैद्धांतिक शोधपत्र प्रकाशित करने पर।
  - खेती की चुनौतियों का समाधान करने के लिये अक्तूबर 2025 में '**विकसित कृषि संकल्प अभियान**' चलाया जाएगा।

31वाँ विश्व ओज़ोन दिवस

चर्चा में क्यों?

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) **ने** 16 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली में 31वें विश्व ओज़ोन दिवस का आयोजन किया।

मुख्य बिंदु

- **विश्व ओज़ोन दिवस के बारे में:**
  - **यह दिवस प्रत्येक वर्ष 16 सितंबर** को मनाया जाता है। यह **वर्ष 1987 में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल** पर **हस्ताक्षर** करने का स्मृति दिवस है, जो एक महत्त्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संधि है और इसका उद्देश्य **ओज़ोन क्षयकारी पदार्थों (ODS)** के उत्पादन एवं उपभोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना है।
  - वर्ष 2025 का विषय, '**विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई तक**' (From Science to Global Action), पृथ्वी और उसके भविष्य की रक्षा के लिये नीति निर्माण तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में वैज्ञानिक खोज की शक्ति पर ज़ोर देता है।

ओज़ोन

- पृथ्वी की सतह से 10–40 किमी. ऊँचाई पर समतापमंडल (stratosphere) में स्थित **ओज़ोन परत** हमें हानिकारक **UV विकिरण** से बचाती है।
- इस सुरक्षात्मक परत को **स्ट्रैटोस्फेरिक ओज़ोन या अच्छा ओज़ोन** कहा जाता है। यह **नेत्र रोग (मोतियाबिंद),** त्वचा कैंसर जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से बचाती है और **कृषि, वानिकी तथा समुद्री जीवन** की सुरक्षा करती है।
  - हालाँकि, मानव निर्मित ओज़ोन क्षयकारी पदार्थों समताप मंडल में ओज़ोन का क्षरण कर रहे हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने कार्रवाई की आवश्यकता को पहचानते हुए वर्ष 1985 में **वियना कन्वेंशन** और वर्ष 1987 में **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल** पारित किये।
- हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs) को **मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल** में शामिल करने से किगाली समझौता हुआ, जिसे भारत ने सितंबर 2021 में अनुमोदित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

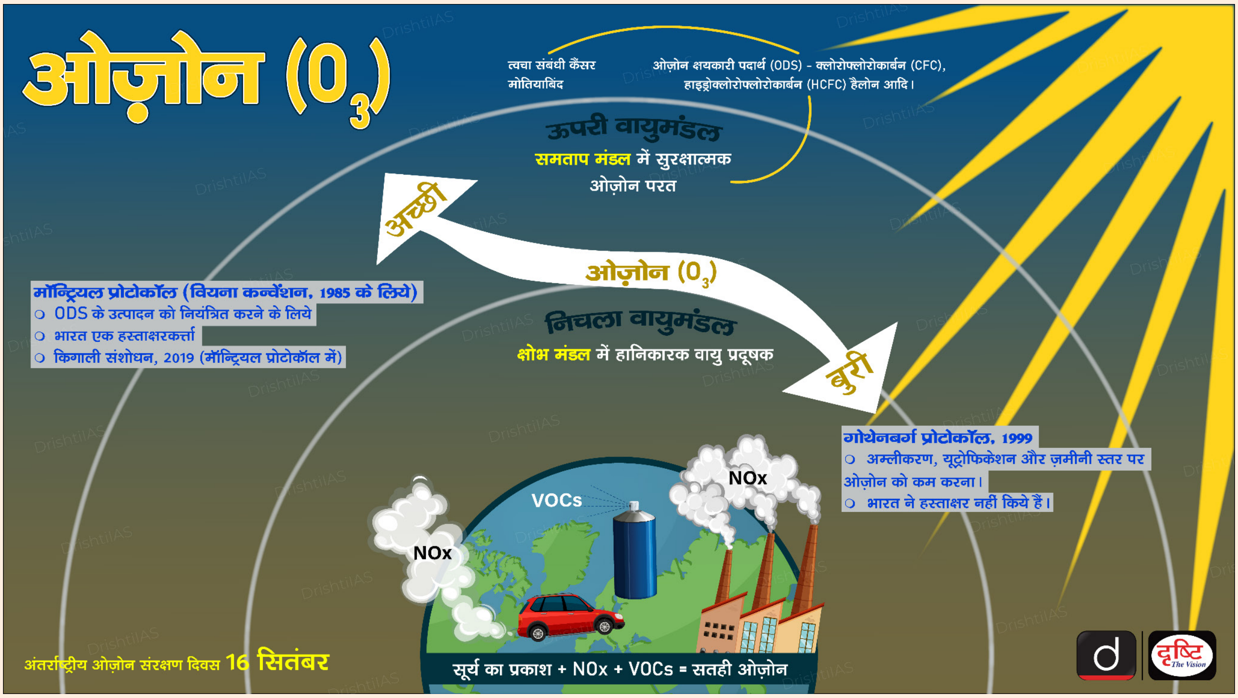

क्षोभमंडलीय ओज़ोन

- क्षोभमंडलीय या **जमीनी स्तर का ओज़ोन**, जिसे खराब ओज़ोन भी कहा जाता है, एक अल्पकालिक जलवायु प्रदूषक है, जो वायुमंडल में केवल कुछ घंटों से लेकर कुछ सप्ताह तक ही रहता है।
- इसका कोई प्रत्यक्ष उत्सर्जन स्रोत नहीं है, बल्कि यह एक यौगिक है जो **वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (Volatile Organic Compounds- VOC)** के साथ सूर्य के प्रकाश और नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOX), जो बड़े पैमाने पर मानव गतिविधियों के कारण उत्सर्जित होते हैं, की परस्पर क्रिया से बनता है, इसमें **मीथेन** भी शामिल है।

वैशाली रमेशबाबू ने FIDE महिला ग्रैंड स्विस जीता

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने **उज़्बेकिस्तान** के समरकंद में आयोजित FIDE महिला ग्रैंड स्विस 2025 में उल्लेखनीय जीत पर भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू को बधाई दी।

मुख्य बिंदु

- **वैशाली रमेशबाबू** ने 40,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि जीती और **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026** में स्थान सुरक्षित किया, जो आगामी महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप के लिये अगले दावेदार का निर्धारण करेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- वैशाली **इस इवेंट को दो बार जीतने वाली पहली खिलाड़ी** बन गई हैं।
- इस उपलब्धि के साथ वैशाली **कोनेरु हंपी** और **दिव्या देशमुख** के साथ तीसरी भारतीय महिला बनीं जिन्होंने **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026** के लिये क्वालीफाई किया।
- **कैंडिडेट्स टूर्नामेंट** वर्तमान **महिला विश्व शतरंज चैंपियन चीन की वेनजुन जू** के लिये दावेदार का निर्धारण करेगा, जिसमें चीन, रूस और भारत की खिलाड़ी पहले ही स्थान सुरक्षित कर चुकी हैं।
- अपने पूर्व प्रदर्शन में, वैशाली ने **मई 2025 में नॉर्वे महिला शतरंज टूर्नामेंट** में पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया था किंतु **महिला विश्व कप** में क्वार्टर फाइनल में **टैन झोंगयी** से पराजित हो गई थीं।

FIDE ग्रैंड स्विस

- **FIDE ग्रैंड स्विस**, जिसकी शुरुआत **वर्ष 2019** में हुई (महिला आयोजन 2021 से प्रारंभ हुआ), विश्व शतरंज चैंपियनशिप चक्र का एक प्रमुख टूर्नामेंट है।
- यह टूर्नामेंट **स्विस प्रणाली पर आधारित 11 राउंड के साथ द्विवार्षिक रूप से आयोजित** किया जाता है और इसमें शीर्ष वैश्विक खिलाड़ी भाग लेते हैं। इसे शतरंज की सबसे कठिन तथा अप्रत्याशित प्रतियोगिताओं में से एक माना जाता है।
- इसकी खुली प्रकृति के कारण, दोनों श्रेणियों में शीर्ष दो स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी सीधे **विश्व कैंडिडेट्स टूर्नामेंट** के लिये अर्हता प्राप्त करते हैं, जहाँ **विश्व चैंपियन के खिताब के लिये एक दावेदार का चयन किया जाता है।**
- वर्ष 2025 का संस्करण **उज़्बेकिस्तान** के **समरकंद एक्सपो सेंटर** में 4 से 15 सितंबर तक आयोजित किया गया।
  - इसमें ओपन वर्ग में 116 खिलाड़ियों ने तथा महिला वर्ग में 56 खिलाड़ियों ने भाग लिया।
- इस प्रतियोगिता की कुल **पुरस्कार राशि 8,55,000 अमेरिकी डॉलर** थी, जिसमें ओपन वर्ग के लिये 6,25,000 अमेरिकी डॉलर और महिला वर्ग के लिये 2,30,000 अमेरिकी डॉलर निर्धारित थे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप में भारत का पहला स्वर्ण पदक

चर्चा में क्यों?

आनंदकुमार वेलकुमार ने स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप 2025 में सीनियर पुरुष 1000 मीटर स्प्रिंट में **स्वर्ण पदक** जीतकर **भारत के पहले विश्व चैंपियन बनने का गौरव** प्राप्त किया।

मुख्य बिंदु

- **स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप** 13 से 21 सितंबर, 2025 तक **चीन के बेइदाईहे (Beidaihe)** में आयोजित की जा रही है , जहाँ आनंदकुमार वेलकुमार ने 1:24.924 के समय के साथ **स्वर्ण पदक जीता।**
- **अतिरिक्त पदक:** वेलकुमार ने 500 मीटर स्प्रिंट स्पर्द्धा में भी कांस्य पदक जीता, जो स्पीड स्केटिंग में भारत का पहला सीनियर विश्व चैंपियनशिप पदक था।
- **जूनियर प्रतियोगिता में सफलता:** इस चैंपियनशिप में **जूनियर पुरुष 1000 मीटर स्प्रिंट** में कृष शर्मा ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत के शानदार प्रदर्शन में योगदान दिया।

स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप

- वर्ष 1891 से ***आईएसयू (ISU) स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियनशिप*** इस खेल की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता रही है, जो एकल दूरी, ऑलराउंड एवं स्प्रिंट प्रारूपों के बीच बारी-बारी से आयोजित होती रही है।
- **एकल दूरी प्रारूप (वर्ष 1996 में शुरू):** यह प्रारूप ओलंपिक वर्ष से पहले और बाद के वर्षों में आयोजित होता है। इसमें खिलाड़ी **16 विश्व खिताबों के लिये प्रतिस्पर्द्धा** करते हैं।
  - इसमें पुरुषों की 500 मीटर, 1000 मीटर, 1500 मीटर, 5000 मीटर और 10,000 मीटर, महिलाओं की 500 मीटर, 1000 मीटर, 1500 मीटर, 3000 मीटर तथा 5000 मीटर प्रतियोगिताएँ शामिल हैं, साथ ही ***मास स्टार्ट, टीम पर्स्यूट* एवं *टीम स्प्रिंट*** **प्रतियोगिताएँ** भी होती हैं।
- **ऑलराउंड प्रारूप:** यह स्पीड स्केटिंग परंपरा का एक आधार है, जिसमें **पुरुष 1891 से और महिलाएँ** 1936 से भाग ले रही हैं।
- **स्प्रिंट प्रारूप (1970 से):** इस चैंपियन प्रतियोगिता में गति और सटीकता का परीक्षण किया जाता है।
  - इसमें खिलाड़ी 500 मीटर और 1000 मीटर की दौड़ दो-दो बार करते हैं तथा उनके **संयुक्त परिणाम के आधार पर** चैंपियन घोषित किया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025

चर्चा में क्यों ?

चैंपियन **नीरज चोपड़ा** को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के फाइनल में वे आठवें स्थान पर रहे। जबकि उनके सहकर्मी **सचिन यादव ने अपना सर्वश्रेष्ठ** प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया।

मुख्य बिंदु

- **पदक और परिणाम: स्वर्ण पदक** त्रिनिदाद और टोबैगो के **केशोर्न वाल्कोट** (88.16 मीटर) ने जीता, जबकि ग्रेनेडा के **एंडरसन पीटर्स** ने **रजत** (87.38 मीटर) तथा अमेरिका के **कर्टिस थॉम्पसन** ने **कांस्य** (86.67 मीटर) जीता।
- **नीरज चोपड़ा का संघर्ष:** वर्षों से अपनी **निरंतरता** के बावजूद, वह **85 मीटर** का आँकड़ा पार करने में असफल रहे और 84.03 मीटर के **थ्रो** के साथ वे **आठवें स्थान** पर रहे।
- यह वर्ष 2018 के बाद से उनकी **पहली प्रतियोगिता** है, जहाँ वह **शीर्ष तीन** से बाहर रहे। जबकि टोक्यो ओलंपिक 2021 में ऐतिहासिक जीत के बाद उनका **लगातार पोडियम** प्रदर्शन रहा है।
- **सचिन यादव का प्रदर्शन:** उत्तर प्रदेश के **खेकड़ा गाँव** के रहने वाले **सचिन यादव** ने 86.27 मीटर की **व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो** फेंककर न केवल **नीरज चोपड़ा** को पीछे छोड़ा, बल्कि **जूलियन वेबर** और **अरशद नदीम** जैसे उल्लेखनीय **प्रतियोगियों** को भी पीछे छोड़ दिया।
- सचिन का यह प्रदर्शन उनकी **क्षमता** और **स्थिर खेल शैली** को दर्शाता है, जो उन्होंने एशियाई चैंपियनशिप 2023 में रजत पदक जीतने के बाद से लगातार प्रदर्शित की है।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025

- **स्थान:** विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 **सितंबर, 2025** तक टोक्यो, जापान में आयोजित की जा रही है, जिसमें नौ दिनों तक प्रतिस्पर्द्धा होंगी।
- **आयोजन अवलोकन:** यह विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का **20वाँ संस्करण** है, जिसमें लगभग **200 देशों** के **2,000 से अधिक एथलीट** भाग ले रहे हैं।
- कुल **49 प्रतियोगिताएँ** होंगी, जिनमें **147 पदक** हैं। पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिये **24 प्रतियोगिताएँ** होंगी, साथ ही एक **मिश्रित प्रतियोगिता भी शामिल है।**

सरदार वल्लभभाई पटेल का AI संचालित होलोबॉक्स

चर्चा में क्यों ?

दिल्ली में स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय, जो अपनी तरह का विश्व का एकमात्र संग्रहालय है, ने 17 सितम्बर, 2025 को सरदार वल्लभभाई पटेल के **AI संचालित होलोबॉक्स** का अनावरण किया।

मुख्य बिंदु

- **परिचय:**
  - दर्शकों ने AI-संचालित **होलोबॉक्स 3D अवतार** के साथ संवाद किया, जिसमें उन्होंने **सरदार वल्लभभाई पटेल** के जीवन और **भारत के इतिहास में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान** से संबंधित प्रश्न पूछे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह अवतार उनके स्वर में उत्तर देता है, जो **उनके भाषणों, पुस्तकों और अभिलेखीय स्रोतों** पर आधारित होते हैं, जिससे एक प्रामाणिक शैक्षिक अनुभव प्राप्त होता है।
- अवतार द्वारा दिये गए उत्तर उनकी विचारधारा और जीवन की प्रमुख घटनाओं को प्रतिबिंबित करते हैं।

उद्देश्य:

- इस पहल का उद्देश्य **ऐतिहासिक जुड़ाव में प्रौद्योगिकी का एकीकरण** कर वैश्विक मानक स्थापित करना है। इसका विशेष लक्ष्य **युवा पीढ़ी को आकर्षित करना** और इतिहास को अधिक **सुगम व रोचक** बनाना है।

भविष्य की योजनाएँ:

- पटेल के AI अवतार की सफलता के पश्चात, प्रधानमंत्री संग्रहालय डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के लिये एक ***पूर्णाकृति* होलोबॉक्स** शुरू करने की योजना बना रहा है।
- इससे भारत के महान नेताओं के ज्ञान को भावी पीढ़ियों तक पहुँचाने की प्रतिबद्धता और भी **सशक्त** होगी।

ऐतिहासिक महत्त्व

- 17 सितंबर का दोहरा महत्त्व है; एक ओर यह 1948 में *ऑपरेशन पोलो* की सफलता का प्रतीक है, जब सरदार पटेल के नेतृत्व में हैदराबाद का भारत में विलय हुआ। दूसरी ओर, यही दिन वर्ष 1950 में जन्मे **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्म दिवस** भी है, जिनकी '*एक भारत, श्रेष्ठ भारत*' की दृष्टि, पटेल की **राष्ट्रीय एकता** की विरासत को साकार करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट:

- AI-संचालित होलोबॉक्स एक अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी है, जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) को होलोग्राफिक डिस्प्ले के साथ एकीकृत करती है।
- यह इंटरैक्टिव और सजीव 3D छवियाँ व अवतार तैयार करती है, जिनसे दर्शक स्वाभाविक रूप से वॉयस कमांड, हावभाव और भावनात्मक संकेतों के माध्यम से संवाद कर सकते हैं।

भारत-AI इंपैक्ट समिट 2026

चर्चा में क्यों ?

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने भारत-AI इम्पैक्ट समिट 2026 की पहल तथा लोगो (Logo) का अनावरण किया है, जिसका आयोजन भारत में किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **समिट के बारे में:**
  - यह समिट 19 से 20 फरवरी 2026 को भारत मंडपम, **नई दिल्ली** में आयोजित किया जाएगा और इसमें **वैश्विक नेता, नीति-निर्माता, शोधकर्त्ता तथा नवप्रवर्तक** शामिल होंगे।
  - यह **समिट**, जो किसी ग्लोबल साउथ देश द्वारा **आयोजित किया जाने वाला पहला समिट है,** मानव, ग्रह और प्रगति पर केंद्रित होगा।
  - AI की परिवर्तनकारी क्षमता पर ध्यान देते हुए, समिट में **सात विषयगत चक्रों** के माध्यम से वैश्विक AI चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की जाएगी।
- **आधिकारिक लोगो और मुख्य प्रतीक:**
  - समिट का **आधिकारिक लोगो** अशोक चक्र से प्रेरित है, जो भारत के नैतिक शासन और संवैधानिक मूल्यों का प्रतीक है।
  - इस मुख्य प्रतीक से **न्यूरल नेटवर्क की किरणें** बाहर की ओर फैलती हैं, जो **उद्योगों, भाषाओं और क्षेत्रों** में AI के परिवर्तनकारी प्रभाव का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो विभाजन को पाटने तथा समावेशी प्रगति को बढ़ावा **देने में मदद करती हैं।**
- **प्रमुख पहलें:**
  - **AI पिच फेस्ट (UDAAN):**
    - यह **वैश्विक AI** स्टार्टअप्स को प्रदर्शित करने के लिये एक मंच है, जिसमें भारत के टियर 2 और टियर 3 शहरों के उद्यमों पर विशेष ज़ोर दिया जाएगा, जिनमें **महिलाओं** तथा **दिव्यांग परिवर्तनकर्त्ताओं द्वारा संचालित उद्यम भी शामिल होंगे।**
  - **IndiaAI डेटा और AI लैब्स:**
    - 30 **IndiaAI डेटा और AI लैब्स** लॉन्च की जा चुकी हैं, जो 570-लैब नेटवर्क के प्रारंभिक चरण का प्रतीक हैं।
    - ये लैब्स **फ्यूचर स्किल्स पहल** के अंतर्गत आधारभूत AI और डेटा प्रशिक्षण प्रदान करेंगी, विशेष रूप से टियर 2 तथा टियर 3 **शहरों** में AI एवं डेटा एनोटेशन में **कौशल विकास** पर केंद्रित होंगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **IndiaAI फेलोशिप प्रोग्राम:**
  - **इस प्रोग्राम** का विस्तार कर 13,500 **विद्यार्थियों** को समर्थन देने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें **इंजीनियरिंग, चिकित्सा, कानून, वाणिज्य और लिबरल आर्ट्स** जैसे विविध **विषयों** के छात्रों पर विशेष ज़ोर दिया गया है।

मोहनलाल को दादा साहब फाल्के पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

23 सितंबर 2025 को केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा मलयालम अभिनेता **मोहनलाल** को 71वें **राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार** समारोह के दौरान वर्ष 2023 का प्रतिष्ठित दादा साहब फाल्के पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **मोहनलाल के बारे में:**

  - 21 मई 1960 को पथानमथिट्टा में जन्मे **मोहनलाल** ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत **थिरानोट्टम (1978)** से की तथा **मंज़िल विरिंजा पुक्कल (1980)** में खलनायक के रूप में पदार्पण किया।
  - वर्ष 1986 में, **राजाविंते मकान** में उनकी भूमिका ने उन्हें **मलयालम सिनेमा** के पहले आधुनिक **सुपरस्टार** के रूप में स्थापित कर दिया।
  - 45 से अधिक वर्षों और 400 से अधिक फिल्मों के साथ, मोहनलाल **मॉलीवुड** (Mollywood) में एक प्रमुख व्यक्ति बन गए हैं, जिन्होंने **थनमथरा, इरुवर, दृश्यम** और **लूसिफ़र** जैसी उल्लेखनीय फिल्मों में अभिनय किया है।
  - उन्हे वर्ष 1991 में **सर्वश्रेष्ठ अभिनेता** के लिये राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला और वर्ष 2001 में **पद्म श्री** तथा वर्ष 2019 में **पद्म भूषण** से सम्मानित किया गया।
- **दादा साहब फाल्के पुरस्कार:**
  - यह **देश का सर्वोच्च फिल्म सम्मान है जिसकी शुरुआत वर्ष** 1969 में हुई थी, जो "**भारतीय सिनेमा के विकास और वृद्धि में उत्कृष्ट योगदान**" **के लिये दिया जाता है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- यह पुरस्कार पहली बार "भारतीय सिनेमा की प्रथम महिला" **देविका रानी** को प्रदान किया गया था।
- इस पुरस्कार में एक स्वर्ण कमल, **10 लाख रुपये का नकद पुरस्कार, एक प्रमाण-पत्र**, एक रेशम रोल और एक शॉल शामिल है।
- इसे **भारत के राष्ट्रपति द्वारा दिया जाता है।**

- **धुंडीराज गोविंद फाल्के:**
  - वह एक भारतीय निर्माता, निर्देशक और पटकथा लेखक थे, जिन्होंने **भारत की पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र (1913) का निर्देशन किया था।**
    - उन्हें "**भारतीय सिनेमा के जनक**" **के रूप में जाना जाता है।**

अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस 2025

चर्चा में क्यों?

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय, **भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान तथा प्रशिक्षण केंद्र (ISLRTC)** ने 23 सितंबर, 2025 को "सांकेतिक भाषा दिवस" मनाया।

- साथ ही शिक्षा मंत्रालय ने **केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (CIET)** और NCERT के सहयोग से 15 से 19 सितंबर, 2025 तक भारतीय सांकेतिक भाषा पर विशेष पाँच-दिवसीय लाइव कार्यक्रम भी आयोजित किया।

मुख्य बिंदु

- **दिवस के बारे में:**
  - संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बधिर लोगों के **मानवाधिकारों** को साकार करने में सांकेतिक भाषा के महत्त्व को रेखांकित करने के लिये 23 सितंबर को **अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस** के रूप में घोषित किया।
  - यह तिथि वर्ष 1951 में विश्व बधिर महासंघ (WFD) की स्थापना का प्रतीक है, जो विश्व स्तर पर बधिर व्यक्तियों के अधिकारों और उनकी मान्यता के लिये कार्य करता है।
  - **दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों पर अभिसमय**, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2006 में अपनाया था, सांकेतिक भाषाओं को बोली जाने वाली भाषाओं के बराबर मान्यता देता है तथा सदस्य देशों को बधिर समुदाय की भाषायी पहचान को बढ़ावा देने के लिये बाध्य करता है।
    - भारत वर्ष 2007 में इस अभिसमय का अनुसमर्थन करने वाले प्रथम देशों में से एक था।
  - **थीम 2025:** इस वर्ष की थीम "**सांकेतिक भाषा के अधिकारों के बिना मानवाधिकार नहीं**" है, जो बधिर व्यक्तियों के लिये गरिमा और सम्मान सुनिश्चित करने के साधन के रूप में सांकेतिक भाषा की मान्यता बढ़ाने का आह्वान करती है।
  - **8वीं राष्ट्रीय भारतीय सांकेतिक भाषा प्रतियोगिता:** आयोजन के अंतर्गत **आठवीं राष्ट्रीय भारतीय सांकेतिक भाषा प्रतियोगिता के विजेताओं** को सम्मानित किया गया। इसमें देश के विद्यालयों से 13 श्रेणियों में प्रतिभागियों ने भाग लिया और बधिर समुदाय की **रचनात्मकता तथा प्रतिभा** का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

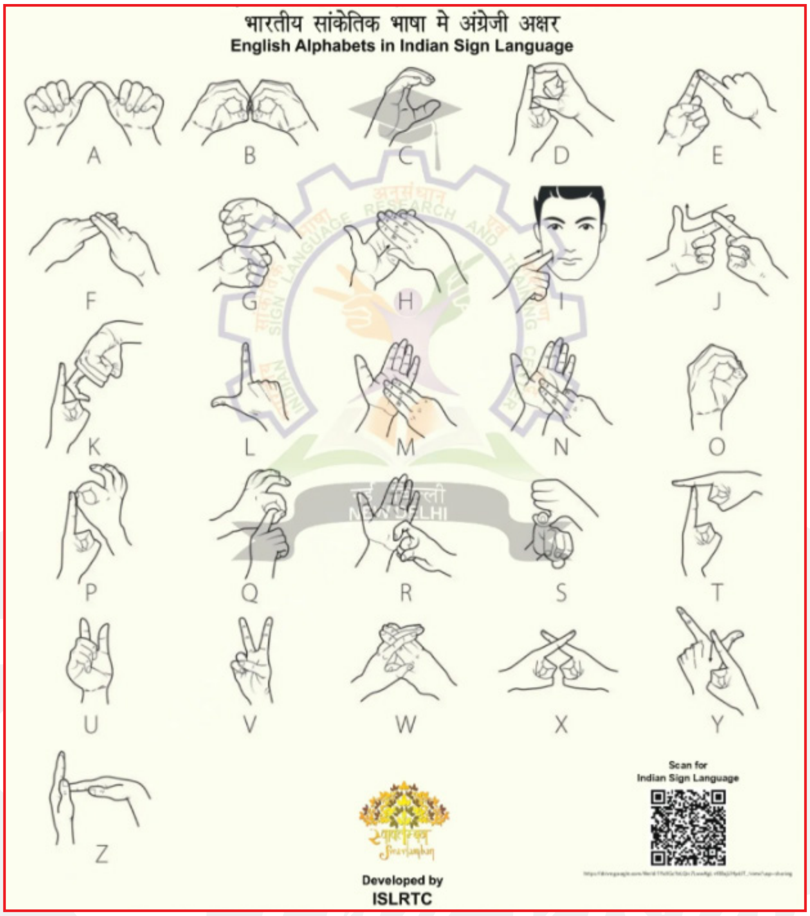

विश्व खाद्य भारत 2025

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री 25 सितंबर, 2025 को नई दिल्ली में विश्व खाद्य भारत के चौथे संस्करण का उद्घाटन करेंगे, जिसमें 90 से अधिक देश, 2,000 से अधिक प्रदर्शक और हज़ारों हितधारक भाग लेंगे।

मुख्य बिंदु

विश्व खाद्य भारत 2025 के बारे में

- **आयोजन:**
  - खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा **25 से 28 सितंबर 2025** तक आयोजित **विश्व खाद्य भारत 2025**, खाद्य प्रसंस्करण और आपूर्ति के लिये भारत की क्षमता को **'वैश्विक खाद्य केंद्र'** के रूप में उजागर करेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- भारत दूध, प्याज और दाल का सबसे बड़ा उत्पादक है तथा **चावल, गेहूँ, गन्ना, चाय, फल, सब्जियाँ एवं अंडे** का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।
- पिछले दशक में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में **7.33 बिलियन अमेरिकी डॉलर** का FDI इक्विटी निवेश आया है।

- **साझेदार एवं फोकस देश:**
  - **न्यूज़ीलैंड और सऊदी अरब** साझेदार देशों के रूप में भाग लेंगे, जबकि जापान, UAE, वियतनाम तथा रूस फोकस देशों के रूप में भाग लेंगे।
- **अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम:**
  - भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) **द्वारा तीसरा वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन:** वैश्विक नियामकों को खाद्य सुरक्षा मानकों के सामंजस्य पर विचार-विमर्श करने और अंतर्राष्ट्रीय नियामक सहयोग को मज़बूत करने के लिये एक विशिष्ट मंच प्रदान करना।
  - भारतीय समुद्री खाद्य निर्यातक संघ (SEAI) **द्वारा 24वाँ भारत अंतर्राष्ट्रीय समुद्री खाद्य शो (IISS):** भारत की बढ़ती समुद्री खाद्य निर्यात क्षमता और वैश्विक बाज़ार संबंधों पर ध्यान केंद्रित करना।
- **मुख्य फोकस स्तंभ:**

Source: World Food India 2025

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025

चर्चा में क्यों ?

नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप (WPAC) 2025 का उद्घाटन किया गया, जहाँ प्रधानमंत्री ने पैरा एथलीटों की बाधाओं को तोड़ने और नए मानदंड स्थापित करने के लिये सराहना की तथा भारत की **खेल-केंद्रित एवं समावेशी पहचान** को रेखांकित किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **परिचय:** यह चैंपियनशिप 27 **सितंबर से 5 अक्तूबर 2025** तक आयोजित की जाएगी, जिसमें **104 देशों** के **2,200 एथलीट्स** भाग ले रहे हैं, जो भारतीय भूमि पर अब तक आयोजित **सबसे बड़ा पैरा एथलीट** आयोजन होगा।
- **भारत की उपलब्धि:** इस आयोजन में **भारत का अब तक का सबसे बड़ा 74** एथलीटों का दल भी शामिल होगा।
  - भारत पहली बार **विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप** की मेज़बानी करेगा, जो कतर, संयुक्त अरब अमीरात तथा जापान के बाद ऐसा करने वाला **चौथा एशियाई देश** होगा।
- **अवसंरचना:** यह आयोजन जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में **नवनिर्मित मोंडो ट्रैक पर आयोजित किया जा रहा है,** जिसका उपयोग पहले पेरिस पैरालिंपिक 2024 में किया गया था और जिसे राष्ट्रीय खेल दिवस पर उद्घाटित किया गया।
  - **मुख्य प्रतियोगिता ट्रैक** के साथ-साथ, एक **मोंडो वार्म-अप ट्रैक** और एक **बहु-विशिष्ट जिम्नेजियम** का भी उद्घाटन किया गया, जो एक साथ 200 एथलीटों को प्रशिक्षित करने में सक्षम है तथा **विश्व स्तरीय खेल अवसंरचना** के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- **पूर्व उपलब्धि:** भारत की पैरा खेलों में उल्लेखनीय प्रगति स्पष्ट है। भारत ने **जापान के कोबे** में आयोजित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप,2024 में अब तक अपना **सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन** किया, जिसमें **छह स्वर्ण, पाँच रजत और छह कांस्य सहित 17 पदकों** के साथ **छठा स्थान** प्राप्त किया।
- **महत्त्व:** यह आयोजन भारत की **दीर्घकालिक रणनीति** का हिस्सा है, जिसमें प्रमुख वैश्विक खेल आयोजनों की मेज़बानी शामिल है, जिसमें वर्ष **2030 में** राष्ट्रमंडल खेलों के लिये पहले से ही योजनाएँ चल रही हैं और वर्ष **2036 में ओलंपिक खेलों की** मेज़बानी करने की आकांक्षा है।

छठा नदी उत्सव

चर्चा में क्यों ?

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री **सी.आर. पाटिल** ने छठे **नदी उत्सव** का उद्घाटन किया तथा नदियों के संरक्षण हेतु नागरिकों की सामूहिक **ज़िम्मेदारी** पर ज़ोर दिया।

- उन्होंने **नमामि गंगे परियोजना** के महत्त्व को रेखांकित किया, जो नदियों की **स्वच्छता बनाए रखने**, **अतिक्रमण रोकने** और **धार्मिक तथा सांस्कृतिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण पवित्र नदियों के संरक्षण** पर केंद्रित है।

मुख्य बिंदु

- **उद्देश्य:** संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत **इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA)** द्वारा आयोजित नदी उत्सव में नदियों के महत्त्व को आवश्यक जीवनरेखा और **सांस्कृतिक जलाशय** के रूप में उजागर किया गया।
  - उत्सव में नदियों के **पर्यावरणीय, सांस्कृतिक और कलात्मक** आयामों को उजागर किया गया, जिससे उनकी महत्ता को गहराई से समझने का अवसर मिला।
- **कार्यक्रम की अवधि:** यह कार्यक्रम 25 से 27 सितंबर 2025 तक **दिल्ली** में आयोजित किया गया, जिसमें **सेमिनार**, फिल्म स्क्रीनिंग और प्रदर्शनियाँ शामिल थीं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **रिवरस्केप डायनेमिक्स: परिवर्तन और निरंतरता** शीर्षक वाले सेमिनार में पारंपरिक नदी ज्ञान, **नदी देवताओं** तथा लोक कथाओं एवं नदियों की **कला, शिल्प व विज्ञान** में भूमिका पर चर्चा की गई।

- **मेरी नदी की कहानी:** इस उत्सव में नदियों से जुड़े **पर्यावरणीय मुद्दों और मानव संबंधों** पर केंद्रित डॉक्यूमेंट्री था फिल्में प्रदर्शित की गईं।
  - प्रदर्शित फिल्मों में गोताखोर: लुप्त होते **गोताखोर समुदाय, भारत का नदी पुरुष, अर्थ गंगा, मोलाई - जंगल के पीछे का आदमी, कावेरी - जीवन की नदी और लद्दाख -सिंधु** नदी के किनारे जीवन शामिल हैं।

भगत सिंह की जयंती

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्रांतिकारी भगत सिंह को उनकी **जयंती** पर श्रद्धांजलि अर्पित की, उनके साहस को महान प्रेरणा का स्रोत बताते हुए सराहा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

प्रमुख बिंदु

- **जन्म:** भगत सिंह का जन्म 28 सितंबर, 1907 को बंगा, पंजाब, ब्रिटिश भारत (वर्तमान पाकिस्तान) में हुआ था। वह एक सिख परिवार से थे, जो उपनिवेश-विरोधी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे; उनके पिता, किशन सिंह और चाचा, अजीत सिंह, प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी थे।
- **प्रारंभिक जीवन:** 12 वर्ष की आयु में जलियाँवाला बाग हत्याकांड देखा, जिसने उनमें देशभक्ति की गहरी भावना और भारत की स्वतंत्रता के लिये संघर्ष करने का संकल्प उत्पन्न किया।
- **शिक्षा:** लाला लाजपत राय द्वारा स्थापित नेशनल कॉलेज, लाहौर में दाखिला लिया, जिसने स्वदेशी आंदोलन पर ज़ोर दिया और क्रांतिकारी विचारों के लिये एक मंच प्रदान किया।
- **क्रांतिकारी संगठन:** भगत सिंह वर्ष 1924 में हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) के सदस्य बने, जिसे बाद में वर्ष 1928 में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) नाम दिया गया।
  - नौजवान भारत सभा की स्थापना भगत सिंह ने वर्ष 1926 में की थी, जिसका उद्देश्य स्वतंत्रता संग्राम के लिये युवाओं को संगठित करना था।
    - **प्रमुख कार्य:** पुलिस की बर्बरता के कारण लाला लाजपत राय की मृत्यु के प्रतिशोध के रूप में वर्ष 1928 में पुलिस अधिकारी जे.पी. सॉन्डर्स की हत्या (लाहौर षडयंत्र मामला) में शामिल हुए।
  - 18 अप्रैल, 1929 को बी.के. दत्त के साथ मिलकर दमनकारी ब्रिटिश कानूनों के विरोध में **केंद्रीय विधानसभा** में बम फेंका।
    - **गिरफ्तारी और मुकदमा:** वर्ष 1929 में बम कांड के लिये गिरफ्तार किये गए और बाद में लाहौर षडयंत्र मामले में हत्या का आरोप लगाया गया। उन पर मुकदमा चलाया गया, दोषी ठहराया गया और मृत्युदंड की सज़ा सुनाई गई।
  - 23 मार्च, 1931 को लाहौर में साथी क्रांतिकारी सुखदेव और राजगुरु के साथ फाँसी दी गई। भगत सिंह को स्नेहपूर्वक शाहिद-ए-आज़म के नाम से जाना जाता है।
    - **साहित्यिक योगदान:** उन्होंने महत्त्वपूर्ण रचनाएँ लिखीं, जिनमें **व्हाय आई एम एन एथीस्ट (मैं नास्तिक क्यों हूँ)**, **द जेल नोटबुक एंड अदर राइटिंग्स** और समाजवाद व क्रांति की वकालत करने वाले कई राजनीतिक घोषणापत्र शामिल हैं।
  - अपने प्रारंभिक कार्य विश्व प्रेम (Universal Love) में सिंह ने समानता के महत्त्व की घोषणा की। उन्होंने एक ऐसे विश्व की कल्पना की, जो भुखमरी और युद्ध से मुक्त हो तथा जहाँ मानवता जाति तथा राष्ट्रीयता की सीमाओं से परे हो।
    - **विचारधारा:** उन्होंने **मार्क्सवादी** और **समाजवादी विचारधाराओं** का समर्थन किया, तर्कशीलता, समानता तथा न्याय पर ज़ोर दिया। उन्होंने **संगठित धर्म की आलोचना** की और इसे मानसिक तथा शारीरिक दासता का रूप माना।
    - **विरासत:** उन्हें राष्ट्रीय नायक और शहीद के रूप में सम्मानित किया जाता है; उनके जन्मदिवस तथा फाँसी की तिथि प्रतिवर्ष भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को याद करने के लिये मनाई जाती है।
  - हर वर्ष 23 मार्च को भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु जैसे स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिये शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

भारत ने एशिया कप जीता

चर्चा में क्यों ?

भारत ने दुबई में एशिया कप 2025 के फाइनल में **पाकिस्तान** को 5 विकेट से **हराकर** अपना **नौवां खिताब** जीता और टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ तीनों मैच जीतकर अजेय रहा।

प्रमुख बिंदु

- **एशिया कप रिकॉर्ड:**
  - **भारत:** 9 खिताब (किसी भी टीम द्वारा सबसे अधिक)
  - **श्रीलंका:** 6 खिताब
  - **पाकिस्तान:** 2 खिताब
- **प्लेयर ऑफ द मैच:** तिलक वर्मा
- **प्लेयर ऑफ द सीरीज:** अभिषेक शर्मा
- **एशिया कप फॉर्मेट:** यह ODI और T20I फॉर्मेट के बीच वैकल्पिक रूप से आयोजित होता है।
  - यह भारत का एशिया कप 2023 (ODI फॉर्मेट) जीतने के बाद **लगातार दूसरा खिताब** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

शिरीष चंद्र मुर्मू नियुक्त हुए RBI के डिप्टी गवर्नर

चर्चा में क्यों ?

भारत सरकार ने शिरीष चंद्र मुर्मू को भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के **नए डिप्टी गवर्नर** के रूप में नियुक्त किया है, जो 9 अक्तूबर, 2025 से प्रभावी होगा। वे **एम. राजेश्वर राव** का स्थान लेंगे।

प्रमुख बिंदु

- **परिचय:** शिरीष चंद्र मुर्मू, जो वर्तमान में RBI में कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यरत हैं, को **तीन वर्षों की अवधि** के लिये इस पद पर नियुक्त किया गया है।
  - वे वर्ष 1991 में RBI में शामिल हुए और क्षेत्रीय निदेशक जैसे महत्त्वपूर्ण पदों के साथ-साथ बैंकिंग विनियमन, मुद्रा प्रबंधन तथा सूचना प्रौद्योगिकी में वरिष्ठ प्रबंधन पदों पर भी कार्य कर चुके हैं।
- **कार्य:** अपने नए पद पर वे **बैंकिंग विनियमन**, **वित्तीय बाज़ार** और मौद्रिक नीति सहित प्रमुख दायित्वों का निर्वहन करेंगे।
- **नियुक्ति:** उनकी नियुक्ति को कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC) द्वारा अनुमोदित किया गया था।
  - कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC), जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं और जिसमें **गृह मंत्री** सदस्य होते हैं, वरिष्ठ सरकारी नियुक्तियाँ करने के लिये ज़िम्मेदार है।
- **संरचना:** RBI अधिनियम, 1934 के अनुसार, केंद्रीय बैंक में **चार डिप्टी गवर्नर** होने आवश्यक हैं: दो RBI के भीतर से, एक **वाणिज्यिक बैंकिंग क्षेत्र** से और एक अर्थशास्त्री जो मौद्रिक नीति विभाग का नेतृत्व करेगा।
  - वर्तमान डिप्टी गवर्नर में शिरीष चंद्र मुर्मू के अलावा टी. रबी शंकर, स्वामीनाथन जे. और पूनम गुप्ता शामिल हैं।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME